आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650

इंदौर, शुक्रवार 09 जनवरी 2026

■ वर्ष : 5 ■ अंक : 64

■ पृष्ठ : 6 ■ मूल्य : 2

सांध्य दैनिक

इंदौर संकेत

dainikindoresanket.com
dainikindoresanket
dainikindoresanket
dainikindoresanket24@gmail.com

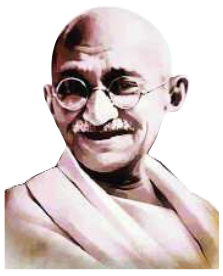

राष्ट्रपिता को नमन...

अंदर के पन्नों पर...

देपालपुर में कुश्ती का महाकुंभ होगा

पेज-2

'भूत बंगला' की रिलीज डेट फाइनल

पेज-5

इंदौर क्रिश्चियन कॉलेज को सुप्रीम कोर्ट से झटका

पेज-6

न्यूज ब्रीफ

- तेज प्रताप यादव राउज एवेन्यू कोर्ट पहुंचे, लैंड फॉर जॉब घोटाले में आरोप तय करने पर आज फैसला
- पटना सहित बिहार के 36 जिलों में सर्दी का सितम, गयाजी में 4.1 डिग्री तक पहुंचा तापमान
- अब पड़ोसी देश मेक्सिको में लैंड स्ट्राइक करेगा अमेरिका! राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने किया ऐलान
- ईरान के निर्वासित प्रिंस रजा पहलवी अगले हफ्ते डोनाल्ड ट्रंप से कर सकते हैं मुलाकात
- हम अपने अधिकारों के लिए प्रदर्शन कर रहे ईरानी लोगों के साथ हैं : जेडी वेंस
- यूएस : महिला की मौत के बाद मिनियापोलिस में बवाल, अब तक 1,500 से ज्यादा लोग गिरफ्तार
- ट्रंप वेनेजुएला मामले पर चर्चा के लिए तेल कंपनियों के अधिकारियों से करेंगे मुलाकात
- पश्चिम बंगाल के गवर्नर सीवी आनंद बोस को मिली जान से मारने की धमकी
- दिल्ली-एनसीआर में सुबह-सुबह हुई बारिश से बढ़ा ठंड का सितम
- ईरान के तेहरान में मास प्रोटेस्ट, इंटरनेट सेवा बंद

पं. दीनदयाल भवन के पार्क में हितानंद और कैलाश की बैठक से बढ़ी गरमाहट

नाम मंत्रियों के रोस्टर डे का, मिटिंग संगठन मंत्री के साथ

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल ● कमांडों की तगड़ी सुरक्षा के बीच प्रदेश सरकार के नगरीय प्रशासन मंत्री और पार्टी के दिग्गज नेता कैलाश विजयवर्गीय की कल भाजपा कार्यालय में प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद शर्मा के साथ वन टू वन मिटिंग को पार्टी ने मंत्रियों के रोस्टर डे से जोड़ दिया। अब पार्टी कार्यकर्ताओं के बीच इस मिटिंग को लेकर सुगबुगाहट हो रही है कि अगर यह मिटिंग रोस्टर डे के नाम पर हो रही थी तो इसमें कार्यकर्ता को शामिल क्यों नहीं किया गया। इतनी तगड़ी सुरक्षा के बीच हुई इस हाईलेवल मिटिंग को लेकर कई तरह की अटकलें लगाई जा रही है। सूत्रों के अनुसार कैलाश विजयवर्गीय को पार्टी का कोई ऐसा संदेश मिला था, जिसको लेकर वे तुरत-फुरत भोपाल पहुंचे।

गौरतलब है कि इंदौर में दूषित जल की घटना के दौरान विवादित बयान देने को लेकर मंत्री कैलाश विजयवर्गीय चर्चा में थे। इस बयान के बाद गुरुवार को वह अचानक से भोपाल पहुंचे। भोपाल पहुंचने के बाद सीधे पार्टी ऑफिस पहुंचे हैं। पार्टी में ऑफिस के पार्क में संगठन महामंत्री हितानंद शर्मा के साथ उनकी बैठक हुई है। बैठक के दौरान खुले पार्क में सिर्फ दो लोग ही मौजूद थे।

कई तरह की हैं अटकलें- वहीं, कैलाश विजयवर्गीय की एंट्री जिस तरीके से बीजेपी ऑफिस में हुई थी। वह सामान्य एंट्री नहीं थी। ऐसे में अटकलें हैं कि आलाकमान का कोई खास संदेश रहा होगा, जिसे सीक्रेट तरीके से संगठन महासचिव हितानंद शर्मा उन तक पहुंचा रहे थे। क्योंकि कैलाश के बयान से राष्ट्रीय स्तर पर पार्टी की

किरकिरी हुई है। बयान के साथ-साथ पानी से मौत भी उनके विभाग की ही घटना है। दरअसल, भागीरथपुरा में 18 मौतों की पुष्टि हो गई है। हालांकि स्थानीय लोगों के अनुसार मौतें अधिक हुई हैं।

चारों ओर सुरक्षाकर्मियों का पहरा

इस बैठक की चर्चा इसलिए हो रही है। पार्क के आसपास किसी को फटकने की भी इजाजत नहीं थी। पार्क के बीच में हितानंद और कैलाश विजयवर्गीय की बातें हो रही थीं और चारों ओर सुरक्षाकर्मियों का बड़ा घेरा था। किसी को भी करीब जाने की इजाजत नहीं थी। मीटिंग खत्म होने के बाद कैलाश विजयवर्गीय ने मीडिया से बात भी नहीं की।

पार्टी ने भी साधी चुप्पी

हालांकि संगठन महासचिव हितानंद शर्मा से वह क्यों मिलने पहुंचे थे, इस बात की जानकारी नहीं आई है। वहीं, बीजेपी का कहना है कि कैलाश विजयवर्गीय नियमित कार्यक्रम के तहत पार्टी ऑफिस में आए थे। पार्टी के मंत्री कार्यकर्ताओं की बात सुनते हैं। इसी तरह के कैलाश विजयवर्गीय ने भी लोगों की समस्याएं सुनी हैं।

भागीरथपुरा कैलाश विजयवर्गीय के विधानसभा क्षेत्र इंदौर-1 का हिस्सा है। इतनी मौतों के बाद उनकी स्थिति पार्टी में सहज नहीं है। साथ ही सरकार में ट्यूनिंग को लेकर भी सवाल उठते रहे हैं। गौरतलब है कि मध्य प्रदेश के बीजेपी अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने एक नई परंपरा की शुरुआत की है। इसके तहत पार्टी कार्यालय में आकर मंत्री बैठेंगे और लोगों की समस्याएं सुनेंगे। परंपरा के हिसाब से मंत्री कक्ष में बैठकर कार्यकर्ताओं से मिलते थे। मगर कैलाश विजयवर्गीय की मीटिंग कार्यकर्ता के साथ नहीं संगठन महासचिव के साथ हुई है। ऐसे में कई तरह के सवाल उठ रहे हैं।

सीएम डॉ. मोहन यादव के ट्रेस एंड ट्रेक फैसले से शराब ठेकेदार और तस्करों में मचा हड़कंप

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल ● मुख्यमंत्री मोहन यादव के फैसले ने एमपी के सभी शराब ठेकेदार और तस्करों की नींद उड़ा दी है। इस मामले में सभी शराब लाइसेंसियों की और अधिकारियों के साथ भोपाल में बैठक हो गई है। उन्हें इस फैसले को लेकर बता दिया गया है। इससे हड़कंप मच गया है। भोपाल में आबकारी विभाग की हाल ही में बड़ी बैठक हुई। इसमें शराब ठेकेदारों, लाइसेंधारकों व अन्य को बुलाया गया। इसमें सीएम डॉ. मोहन यादव और सीएस अनुराग जैन द्वारा लिए गए ट्रेस एंड ट्रेक फैसले की जानकारी दे दी गई। इसे सुनते ही सभी के होश उड़ गए। सभी ने इसका विरोध किया और इसे टालने की मांग कर दी।

इससे आबकारी लाइसेंस राजस्व कम होने की भी दुहाई दी गई। लेकिन अधिकारियों ने साफ कर दिया कि यह फैसला वित्तीय साल 2026-27 से लागू हो रहा है। यानी एक अप्रैल 2026 के नए ठेकों से इसे लागू कर दिया

जाएगा। यह पकड़ाई जाती है तो शराब ठेकेदार, डिस्टलरीज का नाम सामने नहीं आता है। जब तक कि वाहन चालक ही बयान नहीं दे दे, जो अधिकांश केस में नहीं होता है। ऐसे में बड़े ठेकेदार हमेशा बच जाते हैं। इस सिस्टम के जरिए जब भी कोई अवैध तरीके से शराब की तस्करी करेगा तो बॉटल पर इस सिस्टम के जरिए साफ हो जाएगा कि यह किस ठेकेदार के पास थी। इससे उस ठेकेदार को सीधे आरोपी बनाया जा सकेगा। इसी बात को लेकर ठेकेदार विरोध कर रहे हैं।

हाल ही में एक करोड़ से ज्यादा की शराब पकड़ी गई है। ऐसे में यह ठेकेदार फिर ठेके लेने के लिए दुकानों की बोली कम लगाएंगे, जिससे सरकार के राजस्व पर असर पड़ने की बात लाइसेंसी कह रहे हैं। अब मोहन सरकार इस तस्करी को रोकने के लिए यह अहम फैसला ले रही है।

तीन साल से टाला जा रहा है फैसला

इस फैसले को लागू करने की तैयारी तीन साल से है। शराब ठेकेदार और डिस्टलरीज संचालक कोई ना कोई आड़ लेकर और विरोध जताते हुए इस फैसले को टलवाने में कामयाब रहे हैं। इस बार सीएस अनुराग जैन ने आबकारी विभाग को साफ कर दिया है कि यह फैसला अब नहीं टाला जाएगा। इसे इसी वित्तीय साल में एक अप्रैल 2026 में नए ठेकों के साथ ही लागू किया जाएगा।

क्या है ट्रेस एंड ट्रेक मामला

यह नया तकनीकी सिस्टम है। इसके तहत हर शराब बॉटल की मॉनीटरिंग होगी। कोई बॉटल किस डिस्टलरी से बनी, फिर आबकारी के किस माल गोदाम पर गई। फिर किस ठेकेदार की किस लाइसेंसी दुकान पर गई, यह सिस्टम रहेगा। अभी एक ही बैच की हजारों बॉटल बनती है, जो अलग-अलग ठेकेदारों के पास जाती है। ऐसे में जब गुजरात या अन्य राज्यों में शराब की तस्करी होती है।

क्यों राजस्व गिरने की बात

दरअसल बॉर्डर वाले जिलों से शराब का खासकर गुजरात व अन्य राज्यों में तस्करी आम बात है। गुजरात में हर दिन औसतन एक करोड़ की शराब तस्करी होती है। ऐसे में बार्डर वाले जिलों को अधिक रेट पर उठाया जाता है। जब तस्करी रुकेगी तो ठेकेदार इन ठेकों को कम भाव पर लेगा क्योंकि तस्करी से होने वाला फायदा खत्म होगा। इसी तरह इंदौर से भी कई ठेकेदार रिस्क लेकर गुजरात लाइन चलाने में लगे रहते हैं।

ट्रक में घुसी कार : पूर्व मंत्री की बेटी समेत तीन मौत

इंदौर में घूमने निकले थे; एक युवती गंभीर, अस्पताल में भर्ती

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● तेज रफ्तार कार ट्रक में घुस गई। हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई। मृतकों में पूर्व मंत्री बाला बच्चन की बेटी प्रेरणा शामिल है। कार सवार एक युवती गंभीर घायल है। उसका निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है।

हादसा रालामंडल इलाके में आज सुबह करीब 5:15 बजे हुआ। कांग्रेस नेता धर्मेंद्र गेंदर ने बताया कि शुरुआती जानकारी के अनुसार बच्चे घूमने के लिए कहीं निकल थे। तेजाजी नगर के पहले हादसे का शिकार हो गए। बाला बच्चन अपने गृह नगर से निकल गए हैं, कुछ देर में इंदौर पहुंचने वाले हैं। रालामंडल थाना प्रभारी देवेंद्र मरकाम के मुताबिक, कार सवार युवक-युवतियां संभवत: छात्र थे और पार्टी मनाकर लौट रहे थे। फिलहाल, पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। मृतकों की उम्र लगभग 25 वर्ष बताई जा रही है। हादसे के बाद ट्रक चालक वाहन लेकर फरार हो गया।

राहुल गांधी ने डबल इंजिन की सरकारों पर दागा निशाना

नई दिल्ली (एजेंसी) ● कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने इंदौर में दूषित पानी के कारण कई लोगों की मौत को लेकर शुक्रवार को आरोप लगाया कि भाजपा शासित मध्य प्रदेश कुप्राशन का केंद्र बन चुका है और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी गरीबों की मौत पर हमेशा की तरह खामोश हैं। उन्होंने यह दावा भी किया कि जीवन के अधिकार की हत्या के लिए भाजपा का डबल इंजन जिम्मेदार है।

राहुल गांधी ने एक्स पर पोस्ट किया, इंदौर में पानी नहीं, जहर बंटा और प्रशासन कुंभकर्णी नींद में रहा। घर-घर मातम है, गरीब बेबस हैं और ऊपर से भाजपा नेताओं के अहंकारी बयान। जिनके घरों में चूल्हा बुझा है, उन्हें सांत्वना चाहिए थी; सरकार ने घमंड परोस दिया। उन्होंने सवाल किया कि लोगों ने बार-बार गंदे, बदबूदार पानी की शिकायत की तो फिर सुनवाई क्यों नहीं हुई।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने पूछा कि सीवर पीने के पानी में कैसे मिला। समय रहते आपूर्ति बंद क्यों नहीं हुई। जिम्मेदार अफसरों और नेताओं पर कार्रवाई कब होगी। उन्होंने कहा ये फोकट सवाल नहीं, ये जवाबदेही की मांग है। साफ पानी एहसान नहीं, जीवन का अधिकार है। और इस अधिकार की हत्या के लिए भाजपा का डबल इंजन, उसका लापरवाह प्रशासन और संवेदनहीन नेतृत्व पूरी तरह जिम्मेदार है।

मध्यप्रदेश अब कुप्रशासन का केंद्र बना

राहुल गांधी ने आरोप लगाया, मध्यप्रदेश अब कुप्रशासन का केंद्र बन चुका है - कहीं खांसी की सिरप से मौतें, कहीं सरकारी अस्पताल में बच्चों की जान लेने वाले चूहे, और अब सीवर मिला पानी पीकर मौतें। और जब-जब गरीब मरते हैं, मोदी जी हमेशा की तरह खामोश रहते हैं। इंदौर के महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने शुक्रवार को कहा कि उन्हें शहर के भागीरथपुरा इलाके में दूषित पानी पीने से फैले उल्टी-दस्त के प्रकोप से 10 लोगों की मौत की जानकारी मिली है।

मौसम का बदला मिजाज, दिन में गर्मी और रात में ठंड का असर

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● शहर में पिछले 24 घंटों के दौरान मौसम में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिला। दिन के समय जहां तापमान बढ़ा हुआ रहा और ठंड का असर कम दिखाई दिया, वहीं शाम होते ही ठंड बढ़ने लगी। रात और सुबह के समय लोगों को ठंड की चुभन महसूस हुई, यानि दिन और रात के मौसम में साफ फर्क नजर आया।

मौसम केंद्र के अनुसार मंगलवार को शहर का अधिकतम तापमान 26.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो बुधवार को 28 डिग्री सेल्यिसय दर्ज किया गया, जो सामान्य से दो डिग्री अधिक था, वहीं न्यूनतम तापमान 9.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया,

जो सामान्य से 1 डिग्री कम और एक दिन पहले की तुलना में लगभग 2 डिग्री कम था। तापमान में इस गिरावट के कारण रात और सुबह के समय ठंड ज्यादा महसूस की गई। इस दौरान हवा की दिशा पूर्वी और उत्तर-पूर्वी बनी रही। हवा की रफ्तार अधिकतम 17 किलोमीटर प्रतिघंटे तक पहुंची, जिससे ठंड का असर और बढ़ गया। मंगलवार सुबह शहर में हल्का कोहरा भी देखने को मिला।

ममता की हुंकार : प्रधानमंत्रीजी आपके गृहमंत्री को समझा लीजिए!

कोलकाता/नई दिल्ली (एजेंसी) ● पश्चिम बंगाल में टीएमसी के आईटी सेल के चीफ के ठिकानों पर ईडी रेड के विरोध में शुक्रवार को टीएमसी ने दिल्ली में गृह मंत्रालय के बाहर प्रदर्शन किया। इस प्रदर्शन में पार्टी के 8 सांसद शामिल हुए। जिसमें डेरेक ओ ब्रॉयन, महुआ मोइत्रा, कीर्ती आजाद नारेबाजी करते नजर आए।

सांसदों ने पोस्टर पर लिखा- बंगाल मोदी-शाह की गंदी चालों को खारिज करता है। विरोध बढ़ता देख दिल्ली पुलिस ने सांसदों को हटाने की कोशिश की। इस दौरान धक्कामुक्की हुई, कुछ सांसद गिर भी गए। पुलिस ने

सांसदों को हिरासत में ले लिया। महुआ ने कहा- देखिए चुने गए सांसदों के साथ कैसा व्यवहार किया जा रहा है।

उधर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी कोलकाता में केंद्रीय जांच एजेंसी प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की कार्रवाई के विरोध में मार्च निकालेंगी। ईडी बनाम पार्टी की ये लड़ाई हाईकोर्ट तक भी पहुंच गई है। ईडी ने सबूतों से छेड़छाड़ का आरोप लगाया है। उधर, आई-पीएसी ने भी सर्च की वैधता को चुनौती दी है। मामले की सुनवाई आज जस्टिस सुवरा घोष की बेंच में होगी। इसलिए जब सीएम ममता को छापे की सूचना मिली तो वे पुलिस अफसरों के साथ सीधे प्रतीक के घर पहुंची थीं। 20-25 मिनट रहने के बाद एक फाइल फोल्डर लेकर निकल गईं थीं।

इसके बाद ममता प्रतीक के दफ्तर पहुंची थीं। यहां से करीब 3:30 घंटे रुकी थीं। ममता ने इस कार्रवाई को राजनीति से प्रेरित बताया है। उन्होंने कहा कि मुझे माफ करें प्रधानमंत्री जी, कृपया अपने गृह मंत्री को कंट्रोल करें। देश में संभवत पहली बार है, जब किसी सीएम ने छापे के बीच ऐसा कदम उठाया हो। ईडी ने इस मामले में देशभर में 10 ठिकानों पर छापे मारे। इनमें 6 बंगाल तो 4 दिल्ली के हैं।

न्यूज ब्रीफ

हाई स्कूल एवं हायर सेकेण्डरी परीक्षाओं के विषयों में त्रुटि सुधार के लिए एक और मौका

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● माध्यमिक शिक्षा मण्डल मध्यप्रदेश भोपाल द्वारा शिक्षण सत्र 2025-26 में आयोजित की जाने वाली हाई स्कूल एवं हायर सेकेण्डरी परीक्षाओं हेतु ऑनलाईन प्रविष्टि में विषयों में की गई त्रुटि सुधार हेतु समय दिया गया है। विद्यार्थी 10 जनवरी 2026 तक 500 रुपये प्रति विषय के विशेष शुल्क के साथ विषयों में त्रुटि सुधार के लिए ऑनलाईन आवेदन कर सकते हैं। छात्रहित को दृष्टिगत रखते हुए ऑनलाईन विषयों में त्रुटि सुधार हेतु 10 जनवरी 2026 तक सुविधा प्रदान की गई है। विषय संशोधन हेतु 10 जनवरी 2026 के पश्चात परीक्षा केन्द्र अथवा मण्डल स्तर पर किसी प्रकार के विषय संशोधन की अनुमति प्रदान नहीं की जायेगी।

रॉबर्ट नर्सिंग होम में 17 जनवरी से तीन दिवसीय निःशुल्क सुपर स्पेशलिटी मेडिकल कैंप आयोजन होगा

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● रोटरी क्लब ऑफ इंदौर द्वारा रॉबर्ट नर्सिंग होम में 17 जनवरी से 19 जनवरी तक निःशुल्क सुपर स्पेशलिटी मेडिकल कैंप का आयोजन किया जायेगा । इस कैंप में हृदय रोग, डायबिटीज, छाती और फेफड़े, स्त्री रोग, हड्डी रोग, शिशु रोग, शल्य चिकित्सा, गर्भाशय कैंसर, स्तन कैंसर, सामान्य रोग परीक्षण आदि बीमारियों की जांच की जायेगी। उक्त कैंप में परीक्षण और उपचार के लिये अमेरिका स्थित ओहायों क्षेत्र के विशेषज्ञ डाक्टर्स आयेंगे। तीन दिवसीय कैंप का समय रोजाना प्रात: 9 बजे से शाम 4 बजे तक रहेगा। उक्त आयोजन रोटरी मेडिकल यात्रा 2026 के तहत किया जा रहा है।

गंदे पानी से हुई मौतों के मामले में सरकार पर हमलावर हुई कांग्रेस

क्या इंदौर के अफसर अब आरएसएस के लिए काम करेंगे?

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● शिवम वर्मा ने बुधवार रात इंदौर महापौर पुष्यमित्र भार्गव के साथ शहर के पंत वैद्य कालोनी स्थित सुदर्शन कार्यालय का दौरा किया था। मध्य प्रदेश के इंदौर स्थित भागीरथपुरा में पिछले दिनों दूषित पानी पीने के कारण कुछ लोगों की मौत हो गई थी। इंदौर प्रशासन ने अब तक छह लोगों की मौत की पुष्टि की है जबकि स्थानीय लोगों ने 6 महीने के बच्चे समेत 17 लोगों के मरने का दावा किया है। इस बीच राजनीतिक विवाद बढ़ गया है। कांग्रेस की मध्यप्रदेश इकाई के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने इंदौर के कलेक्टर शिवम वर्मा पर निशाना साधा। उन्होंने कलेक्टर पर भाजपा के कार्यकर्ता के रूप में कार्य करने का आरोप लगाते हुए चेतावनी दी कि यदि यही उनकी शैली रही तो विपक्षी दल के कार्यकर्ता उसे ठीक कर देंगे।

जीतू पटवारी ने दी चेतावनी

जीतू पटवारी ने शिवम वर्मा के इंदौर स्थित राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के कार्यालय के कथित दौरे को लेकर चेतावनी दी। शिवम वर्मा ने बुधवार रात इंदौर महापौर पुष्यमित्र भार्गव के साथ शहर के पंत वैद्य कालोनी स्थित सुदर्शन कार्यालय का दौरा किया था और आरएसएस के मालवा प्रांत के प्रचारक राज मोहन सिंह से भागीरथपुरा दूषित जल त्रासदी सहित अन्य मुद्दों पर चर्चा की थी। कलेक्टर के इस दौरे की तस्वीरें और एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। इंदौर जिले के सांवेर में कांग्रेस कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए जीतू पटवारी ने कहा कि इंदौर के महापौर भार्गव, कलेक्टर शिवम वर्मा को लेकर आरएसएस के कार्यालय जाते हैं।

जीतू पटवारी ने कहा, 'कलेक्टर ने बता दिया कि वह प्रशासनिक अधिकारी नहीं हैं और भाजपा के कार्यकर्ता के रुप में ही काम कर रहा है। राजनीतिक दलों के कार्यालय पर जाकर ड्यूटी करोगे तो याद रखना, आपके काम करने की शैली को कांग्रेस का कार्यकर्ता ठीक कर देगा। कलेक्टर को अपने कार्यालय में काम करना चाहिए, मुख्य सचिव से मिलना चाहिए और मंत्रियों और अधिकारियों से चर्चा करनी चाहिए। आप भाजपा के कार्यकर्ता के रुप में आरएसएस के कार्यालय कैसे जा सकते हैं? ये कलेक्टर को शोभा देता है क्या?'

कितने लोगों की हुई है मौत?

हालांकि महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने दो जनवरी को कहा था कि उन्हें घटना में 10 लोगों की मौत की जानकारी मिली है। इन सब दावों के बीच सरकार ने मंगलवार को 18 पीड़ित परिवारों के बीच मुआवजे का वितरण कर दिया। जीतू पटवारी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में दूषित जल त्रासदी में 20 लोगों की मौत का दावा करते हुए आरोप लगाया कि इंदौर में भाजपा और प्रशासन सरकार नहीं, सर्कस चला रहे हैं।

17 नहीं, 30 से ज्यादा..., जीतू पटवारी ने इंदौर में दूषित पानी से हुई मौतों पर किया बड़ा दावा

जीतू पटवारी ने आरोप लगाया कि इंदौर में लोगों की मौत हो रही है, जगह-जगह जहरीला पानी है और भ्रष्टाचार का स्तर 'अद्भुत व अकल्पनीय' है लेकिन कलेक्टर काम नहीं कर रहे हैं और संघ कार्यालय जाकर 'भाजपा की हाजिरी' लगा रहे हैं। इंदौर के भागीरथपुरा में पिछले दिनों दूषित जल के कारण फैले प्रकोप के चपेट में आने से में कुछ लोगों की मौत हो गई थी। इंदौर प्रशासन ने शहर में इस प्रकोप में अब तक छह लोगों की मौत की पुष्टि की है जबकि स्थानीय लोगों ने दूषित जल पीने से छह माह के बच्चे समेत 17 लोगों के दम तोड़ने का दावा किया है।

डेढ़ माह के मासूम का अंगूठा कटा, नर्स सस्पेंड

कैंची से टेप काटते समय लापरवाही; तीन नर्सिंग इंचार्ज की वेतन रोका

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● इंदौर के एमजीएम मेडिकल कॉलेज के न्यू चेस्ट वार्ड में नर्सिंग लापरवाही का गंभीर मामला सामने आया है। यहां एडमिट डेढ़ माह के मासूम का इंट्राकेथ बदलते समय नर्सिंग ऑफिसर ने तेज और लापरवाही से कैंची चला दी, जिससे बच्चे का अंगूठा कटकर अलग हो गया और जमीन पर गिर पड़ा। घटना बुधवार दोपहर करीब 2 बजे की है। मामला सामने आने के बाद डीन डॉ. अरविंद घनघोरिया ने नर्सिंग ऑफिसर आरती श्रोत्रिय को सस्पेंड कर दिया है। साथ ही तीन नर्सिंग इंचार्ज का एक-एक माह की वेतन रोक दिया है।

नर्सिंग ऑफिसर को चक्कर आए

हादसे के बाद नर्सिंग ऑफिसर को चक्कर आ गए। मौके पर मौजूद ड्यूटी डॉक्टर और स्टाफ ने तत्काल ड्रेसिंग कर मामले को संभालने और दबाने की कोशिश की। बच्चे को तुरंत सुपर स्पेशिएलिटी हॉस्पिटल भेजा गया, जहां सर्जरी कर उसका अंगूठा जोड़ा गया। परिजनों को भरोसा दिलाया गया कि घबराने की कोई बात नहीं है।

निमोनिया के चलते कराया था भर्ती

बताया गया कि 24 दिसंबर को बेटमा के बजरंगपुरा गांव निवासी अंजुबाई के डेढ़ माह के बच्चे को निमोनिया के चलते अस्पताल में भर्ती किया गया था। मां ने बताया कि हाथ में सूजन होने पर नर्सिंग ऑफिसर को बुलाया गया था। इंट्रा कैथ के टेप को काटते समय कैंची बच्चे के अंगूठे पर चल गई।

डीन ने जांच के लिए बनाई कमेटी

मामले की जांच के लिए डॉ. अशोक यादव की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय कमेटी गठित की गई है। कमेटी में डॉ. निर्भय मेहता (इंचार्ज, न्यू चेस्ट वार्ड), डॉ. रोहित बडेरिया (डिप्टी सुपरिटेंडेंट) और दयावती दयाल (नर्सिंग सुपरिटेंडेंट) को शामिल किया गया है। कमेटी ने नर्सिंग ऑफिसर के बयान दर्ज कर लिए हैं और जल्द ही जांच रिपोर्ट सौंपी जाएगी। इंदौर के सबसे बड़े सरकारी एमवाय अस्पताल के एनआईसीयू में भर्ती एक और नवजात की बुधवार को मौत हो गई।

किसानों को अब ई-टोकन से मिलेगा खाद

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● राज्यो शासन के निर्देशानुसार किसानों को सरलता, सुलभता एवं रियल टाइम पारदर्शिता के साथ उर्वरक उपलब्ध कराने के उद्देश्य से ई-विकास प्रणाली शुरू की गई है। इस प्रणाली के माध्यम से किसानों को ई-टोकन से खाद का वितरण किया जाएगा। इस प्रणाली के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु जिले कृषि उत्पादन आयुक्त अशोक वर्णवाल की अध्यक्षता में प्रशिक्षण आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में संभाग के संयुक्त संचालक कृषि, संभाग के समस्त उप संचालक कृषि, क्षेत्रीय प्रबंधक मार्कफेड, क्षेत्रीय प्रबंधक एमपी एग्रो एवं जिला विपणन अधिकारी, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक, वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी, प्रबंधक सहकारी समितियों, विपणन समितियों एवं विपणन संघों से संबंधित गोदाम प्रभारी तथा ऑपरेटर्स उपस्थित रहें।

शासकीय कार्यालयों में शासकीय सेवकों को निर्धारित समय पर उपस्थित होना अनिवार्य

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशानुसार शासकीय कार्यालयों में शासकीय सेवकों को निर्धारित समय पर पहुँचना अनिवार्य होगा। समय पर कार्यालय नहीं पहुँचने वाले शासकीय सेवकों के विरूद्ध कार्रवाई की जाएगी। इस संबंध में कलेक्टर शिवम वर्मा ने सभी शासकीय सेवकों को निर्देशित किया है कि वे सुबह 10 बजे अनिवार्य रूप से कार्यालय में उपस्थित रहे तथा निर्धारित समय शाम 6 बजे पर ही कार्यालय से जाए। कलेक्टर शिवम वर्मा के निर्देश पर आज कलेक्टर कार्यालय में समय पर उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए संयुक्त कलेक्टर श्रीमती कल्याणी पांडे ने कलेक्टर कार्यालय स्थित विभागों महिला बाल विकास विभाग, जिला कोषालय, खनिज कार्यालय, भू अभिलेख , सामाजिक न्याय विभाग एवं अन्य सभी कार्यालयों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान इन कार्यालयों के उपस्थिति रजिस्टर जब्त किए गए। साथ ही समय पर नहीं पहुँचने वाले शासकीय सेवकों को हिदायत दी गई कि वे भविष्य में प्रतिदिन समय पर कार्यालय आए और समय पर ही कार्यालय छोड़े। समय पर नहीं पहुँचने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

अन्नपूर्णा पुलिस ने कापीराइट एक्ट के तहत किया प्रकरण दर्ज

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● अन्नपूर्णा थाना क्षेत्र में एप्पल कंपनी का लोगो लगाकर नकली मोबाइल और एक्सेसरीज बेचने के मामले में पुलिस ने पांच व्यापारियों के खिलाफ कॉपीराइट एक्ट के तहत एफआईआर दर्ज कर लाखों रुपए का नकली सामान जब्त किया है।

पुलिस के मुताबिक यह कार्रवाई गर्फिन इंटेलेक्शुअल प्रॉपर्टी सर्विस मुंबई की ओर से की गई शिकायत के बाद की गई। कंपनी के मैनेजर विशालसिंह जडेजा निवासी मधुकुंज सोसाइटी मणिनगर अहमदाबाद ने पुलिस को बताया कि उनकी एजेंसी भारत में एप्पल कंपनी के प्रोडक्ट्स से जुड़े मामलों को देखती है। इंदौर में कुछ व्यापारी एप्पल के नाम और लोगो का दुरुपयोग कर नकली सामान बेच रहे हैं, जिससे कंपनी की साख को नुकसान पहुंच रहा है। शिकायत के आधार पर पुलिस ने विशाल सिंह की टीम के साथ संयुक्त रूप से कार्रवाई करते हुए विभिन्न दुकानों पर छापेमारी की और नकली मोबाइल फोन, चार्जर, केबल और अन्य एसेसरीज जब्त की गई।

इन प्रतिष्ठानों पर हुई कार्रवाई

- ओसी मोबाइल, संचालक अमन पिता प्रीतम तलरेजा निवासी प्रभुनगर से करीब 80 हजार 500 रुपए का नकली माल।
- फोन क्राफ्ट, संचालक मोहित पिता राजा सिगोरिया निवासी मरीमाता का बगीचा से करीब 17 हजार रुपए का सामान।
- एक्सक्लूसिव शॉप, संचालक योगेश पिता राजेश सिंघानी निवासी सुदामा नगर से करीब 2 लाख 66 हजार रुपए का माल।
- एसआर मोबाइल, संचालक विशाल पिता कमल मोटवानी निवासी वंदना अपार्टमेंट सिल्वर पैलेस कॉलोनी से 2 लाख रुपए से अधिक का सामान।
- ए वन कलेक्शन, संचालक कानतेश पिता बंशीलाल चुग निवासी द्वारकापुरी से हजारों रुपए का नकली माल जब्त किया गया।

सीता सर्वेश्वर राम दरबार फूल बंगले में विराजे, लगा छप्पन भोग, हुई महाआरती

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● श्री राम मंदिर रघुनाथपुरम में आयोजित द्वितीय पाटोत्सव के अवसर पर श्री सीता सर्वेश्वर राम दरबार फूल बंगले में विराजे, छप्पन भोग लगा, महाआरती हुई, हजारों भक्तों ने महाप्रसादी ग्रहण की।

महामंडलेश्वर रामगोपाल दास महाराज, जानकीवल्लभ दास महाराज ने बताया कि द्वितीय पाटोत्सव के अवसर श्री सीता सर्वेश्वर राम दरबार का विशेष श्रृंगार किया, गुलाब, मोगरा सहित अनेक किस्मों के फूलो से फूल बंगला सजाया गया, श्री सीता सर्वेश्वर राम दरबार का आचार्यों विद्वानों की उपस्थिति में वेद मंत्रों के बीच पूजन अर्चन किया. 56 तरहो के पकवानों का छप्पन भोग लगाया। हजारों भक्तों ने महाप्रसादी ग्रहण की।

अन्तर्राष्ट्रीय क्रिकेट मैच के लिए पार्किंग स्थलों का निर्धारण

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● इन्दौर के होल्कर स्टेडियम में 18 जनवरी को भारत एवं न्यूजीलैण्ड के मध्य एक दिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय क्रिकेट मैच होगा। इस मैच में आने वाले दर्शकों की सुविधा के लिए पार्किंग स्थलों का निर्धारण किया गया है। दर्शक अपने वाहनों की पार्किंग एसजीएसआईटीएस परिसर के मैदान तथा बाल विनय मंदिर परिसर में कर सकेंगे। उक्त स्थानों पर एमपीसीए द्वारा पार्किंग हेतु समतलीकरण, साफ-सफाई व्यवस्था, बेरिकेटिंग, पार्किंग स्थल पर बैनर, पार्किंग स्थल पर पहुंचने हेतु दिशा सूचक फ्लेक्स, रोशनी, बैनर आदि की व्यवस्था सुनिश्चित की जायेंगी।

पात्र युवाओं के नाम मतदाता सूची में जोड़ने के लिये 9 और 10 को विशेष शिविर

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान-2026 के अन्तर्गत एक जनवरी 2026 की अर्हता तिथि पर पात्र युवाओं के नाम मतदाता सूची में सम्मिलित करने के लिये विशेष शिविर आयोजित होंगे। यह विशेष शिविर जिला स्तर पर 09 एवं 10 जनवरी को हायर सेकेण्डरी स्कूलों, महाविद्यालयों एवं उच्च शिक्षा के शैक्षणिक संस्थाओं आदि में आयोजित किये जाएंगे। इस संबंध में जिला निर्वाचन कार्यालय द्वारा शैक्षणिक संस्थाओं के प्रमुखों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। उन्हें निर्देशित किए गए है कि उन्हें ?निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार शिविर आयोजित कर सभी पात्र विद्यार्थियों के नाम मतदाता सूची में दर्ज करवाये। इस संबंध में सभी हायर सेकेण्डरी स्कूल, महाविद्यालय एवं उच्च शिक्षा के अन्य शैक्षणिक संस्थानों में मानक संचालन प्रक्रिया का पालन करते हुए विशेष शिविर आयोजित किये जाने हेतु निर्देशित किया गया है।

कई स्कूलों ने नहीं माना कलेक्टर का आदेश

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● जिले में शीतलहर को चलते पहले तीन दिन की छुट्टी देने के बाद कलेक्टर ने बुधवार रात को आदेश जारी किया था कि नर्सरी से लेकर 8वीं तक के स्कूल व आंगनवाड़ी सुबह 9.30 बजे के पहले न लगाए जाए, लेकिन कई स्कूल संचालकों ने यह आदेश नहीं मानते हुए सुबह 8.30 बजे ही स्कूल खुलवाएं। जिसके कारण बच्चों को सुबह जल्दी उठकर स्कूल जाना पड़ा। कलेक्टर शिवम वर्मा द्वारा बुधवार रात को ही शीतलहर को दृष्टिगत रखते हुए इंदौर जिले में शासकीय, अशासकीय, सी.बी.एस.ई., आई.सी.एस.ई, माध्यमिक शिक्षा मंडल एवं समस्त बोर्ड से संबद्ध विद्यालयों की कक्षा नर्सरी से कक्षा 8वीं तक एवं आंगनवाडी के छात्र-छात्राओं के लिए कक्षा संचालन के समय का निर्धारण किया गया था। इसके अनुसार इन कक्षाओं का संचालन आगामी आदेश तक सुबह 9.30 बजे से पूर्व नहीं किया जाएगा। लकिन छुट्टियों के बाद खुले स्कूलों ने इस आदेश का पालन नहीं किया, जिसके चलते कई स्कूल संचालकों ने पूर्व समय सुबह 8.30 बजे ही स्कूल खोले। पालकों को भी कई स्कूलों की ओर से समय बदलने की कोई सूचना नहीं आई, जिसके चलते उन्हें पहले के समय मुताबिक ही बच्चों को स्कूल भेजा। स्कूल संचालकों का कहना है कि हमें यह आदेश नहीं मिला जिसके कारण हम पालकों को सूचित नहीं कर सके। शुक्रवार से बदले समय के साथ स्कूल खोलेंगे।

नर्सरी से 8वीं तक की कक्षाएं सुबह 9.30 बजे से पहले नहीं लगेंगी

स्पर्धा

देपालपुर में 10 से 12 जनवरी तक 600 पहलवान दिखाएंगे दम, प्रदेश के विभिन्न जिलों से जुटेंगे राष्ट्रीय खिलाड़ी

हिंदूवादी नेता राजेंद्र चौधरी के नेतृत्व में देपालपुर में कुश्ती का महाकुंभ होगा

निलेश चौहान : 94250-77209

देपालपुर ● दैनिक इंदौर संकेत

जबरेश्वर सेना के तत्वावधान में देपालपुर के जगदीश पटेल खेल मैदान में 10 से 12जनवरी 2026 तक कुश्ती प्रतियोगिता का आयोजन होगा कुश्ती महाकुंभ के आयोजक जबरेश्वर सेना के संरक्षक राजेंद्र चौधरी ने बताया कि इस प्रतियोगिता में प्रदेश के विभिन्न जिलों के 600 खिलाड़ी भाग लेंगे इसमें लगभग 150 महिला पहलवान भी रहेंगी देपालपुर विधानसभा क्षेत्र के प्रत्येक गांव से पहलवानों को आमंत्रित किया गया साथ ही प्रतिभा वाले पहलवानों को सम्मानित भी किया जाएगा। प्रतियोगिता में सभी वर्गों के मुकाबले होंगे। प्रतियोगिता का उद्घाटन कुश्ती संघ के प्रदेश अध्यक्ष नारायण यादव करेंगे और प्रतियोगिता के फाइनल विजेताओं को पुरस्कृत कुश्ती संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय सिंह और मध्यप्रदेश के नगरीय प्रशाशन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय करेंगे इस आयोजन में अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय स्तर पर देश का नाम रोशन करने वाले पदक विजेता खिलाड़ी भी आयोजन में शामिल होंगे।

कुश्ती का मुख्य उद्देश्य पहलवानों को बढ़ावा देना

मध्यप्रदेश केसरी को लेकर बताया गया, इसका मुख्य उद्देश्य प्रदेश के पहलवानों को बढ़ावा देना ताकि प्रदेश से लेकर देशभर में मध्य प्रदेश के पहलवान अपना नाम रोशन करें साथ ही पहलवानी को बढ़ावा मिल सके इसी उद्देश्य के साथ देपालपुर में कुश्ती का महाकुंभ होगा इस महाकुंभ में बच्चों से लेकर बड़े पहलवान अपना अपना भाग्य जमाएंगे।

हिंदूवादी नेता राजेंद्र चौधरी ने जबरेश्वर महादेव मंदिर निर्माण का संकल्प भी गांव-गांव दिलवाया था इसी उद्देश्य के साथ देपालपुर विधानसभा क्षेत्र में लगातार गांव-गांव में भ्रमण किया था और सामाजिक समरसता का आयोजन भी किया गया जानकारी में हम आपको बता दें जबरेश्वर महादेव मंदिर खंडर अवस्था में वर्ग विशेष स्थान पर है वाह शिवरात्रि पर साल में एक बार जलाभिषेक होता है जबरेश्वर सेना के तत्वाधान में हजारों की संख्या में लोग जल चढ़ाने पहुंचते हैं इस मंदिर के निर्माण को लेकर प्रतिवर्ष देपालपुर नगर में बड़ा आयोजन होता है कहीं हिंदूवादी नेता साधु संत महात्मा देपालपुर पहुंचते हैं मंदिर निर्माण जल्द से जल्द हो यह संकल्प राजेंद्र चौधरी ने गांव-गांव में दिलवाया था।

राजनीतिक जानकारों का कहना है कि यह आयोजन भविष्य की राजनीति को देखते हुए हो रहा है-हिंदूवादी नेता राजेंद्र चौधरी किसी पहचान के मोहताज नहीं पिछले विधानसभा चुनाव में उन्होंने भाजपा से विधानसभा का टिकट मांगा था नहीं मिलने पर चौधरी ने निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में चुनाव लड़ा देपालपुर की जनता ने उन्हें खूब आशीर्वाद भी दिया लगभग 40000 वोट चौधरी पिछले विधानसभा में लेकर आए वर्तमान में राजेंद्र चौधरी देपालपुर विधानसभा में लगातार सक्रिय हैं हमेशा जनता के सुख दुख में खड़े रहते हैं गांव-गांव में चौधरी के पास युवाओं की लंबी फौज है पिछले चुनाव में भाजपा कांग्रेस के पसीने छूट गए थे।

कुश्ती के महाकुंभ के बाद महाशिवरात्रि के पर्व पर नगर में बड़ा आयोजन होगा चौधरी के आयोजन को देखते हुए नेताओं की नींद उड़ रही है क्योंकि चौधरी लगातार आयोजन कर रहे नेताओं की नींद हराम हो रही है क्योंकि देपालपुर में महाशिवरात्रि पर्व पर जो आयोजन होता है विशाल और अद्भुत होता है देपालपुर विधानसभा के गांवों से लोग इस दिन देपालपुर पहुंचते हैं हजारों की तादाद में चौधरी को समर्थन मिलता है।

देपालपुर की जनता से राजेंद्र चौधरी ने अपील की है कुश्ती के महाकुंभ में ज्यादा से ज्यादा लोग पहुंचे और देपालपुर में होने वाले मध्य प्रदेश केसरी का आनंद ले और क्षेत्र में ऐसी कोई प्रतिभा हो जहां हम नहीं पहुंच पा रहे हैं वह हमसे संपर्क करें और हमें बताएं ताकि हम ऐसी प्रतिभाओं को पहलवानों को पहलवानी करने का मौका दे सके।

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत
इंदौर, शुक्रवार 09 जनवरी 2026

न्यूज ब्रीफ

अग्रवाल बंधुओं ने श्रीशैलम में ज्योतिर्लिंग को समर्पित की 511 फीट ध्वजा

इंदौर ● दक्षिण भारत की तीर्थ यात्रा पर चार्टेड ट्रेन से मल्लिकार्जुन ज्योतिर्लिंग पहुंचे शहर एवं प्रदेश के अन्य जिलों के 1100 अग्रवाल बंधुओं ने गुरुवार को श्रीशैलम में समाजसेवी गणेश गोयलएवं रजनीश अग्रवाल के मार्गदर्शन में ध्वजा यात्रा निकाली और ज्योतिर्लिंग के लिए 511 फीट की ध्वजा समर्पित की। फाउंडेशन के प्रमुख संजय बांकड़ा एवं किशोर गोयल ने बताया कि ध्वजा यात्रा में श्रीशैलम के प्रशासन ने हरसंभव सहयोग प्रदान किया और देशभर से आए दर्शनार्थियों के बीच से ध्वजा यात्रा निकलवाई। इस अवसर पर गिरधारी लाल अग्रवाल, कैलाश काका, निर्मला जिंदल, अशोक तायल, श्याम अग्रवाल सेंधवा सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने ध्वजा यात्रा का नेतृत्व किया। इंदौर से पहुंचे समाज बंधुओं ने विभिन्न व्यवस्थाएं संभाली। रविवार को इंदौर से प्रस्थित हुए यह चार्टेड ट्रेन रामेश्वरम से प्रस्थित होकर 12 जनवरी को इंदौर पहुंचेगी।

लव यू जिन्दगी में नए वर्ष की अगवानी पर 12 जनवरी को

इंदौर ● महिला प्रकोष्ठ अग्रवाल समाज द्वारा अंग्रेजी नव वर्ष की अगवानी में अपने लव यू जिन्दगी किटी क्लब के माध्यम से मकर संक्रांति के उपलक्ष्य में सोमवार 12 जनवरी को दोपहर 3 बजे से देवास नाका क्षेत्र स्थित नोच रेस्टोरेंट पर मस्ती और धमाल के साथ प्रकोष्ठ से जुड़ी सखियों के लिए एक अनूठे और आकर्षक कार्यक्रम 'न्यू ईयर, न्यू यू : द फ्यूजन किटी' का रंगारंग आयोजन किया जाएगा, जिसमें सखियों के लिए आत्म मंथन, खुशियों और पारंपारिक रंगों के साथ आधुनिकता का भी समन्वय शामिल रहेगा। प्रकोष्ठ की प्रमुख प्रतिभा मित्तल ने बताया कि कार्यक्रम में आने वाली सखियों के लिए सौलफुल क्विर्की और ट्रेडिशनल थीम रखी गई है। ड्रेस कोड नोटोरियसली मिसमैच्ड रखा गया है जिसमें साड़ी, ब्लाउज, दुपट्टा, कुर्ता या एथेनिक जैकेट तथा जींस, ट्राउजर, स्कर्ट या स्नीकर्स रखा गया है ताकि पुराने और नए परिधान का फ्यूजन एक मस्तीभरे अंदाज में देखने को मिल सके।

ये है 'उदय'... हम सबका नया साथी

भोपाल (एजेंसी) ● आधार का नाम सुनते ही हमारे दिमाग में सबसे पहले अपनी पहचान परिचय पत्र याद आता है भले ही हमें 12 अंकों का नम्बर याद न हो। वर्तमान में आधार नागरिकों का एक जरूरी परिचय पत्र बन गया जिसका प्राय: सभी योजनाओं, सरकारी कार्यों में पहचान आदि में उपयोग हो रहा है। आधार भले ही नागरिकों की पहचान का एक महत्वपूर्ण दस्तावेज है लेकिन इसकी स्वयं की अपनी कोई पहचान नहीं थी लेकिन अब आधार को अपनी पहचान मिल गई है। आधार को शुभंकर अर्थात प्रतीक चिन्ह मिल गया है और इसे नाम दिया गया है उदय । आज आधार का शुभंकर (प्रतीक चिन्ह) जारी किया, जो लोगों को आधार सेवाओं की सरल जानकारी देने के लिए सुलभ माध्यम है। उदय नामक यह शुभंकर आधार से संबंधित जानकारी अधिक सहज और सुलभ उपलब्ध कराने में सहायक होगा। यह अपडेट, प्रमाणीकरण, ऑफ़लाइन सत्यापन, जानकारी साझा करने, नई तकनीक अपनाने, दायित्वपूर्ण उपयोग आदि आधार सेवाओं के कार्यांवयन को सरल बनाएगा।

जानिए शुभंकर उदय कैसे अस्तित्व में आया ?

भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) ने आधार का शुभंकर (प्रतीक चिन्ह) बनाने के उद्देश्य से माईगव प्लेटफॉर्म पर राष्ट्रीय डिज़ाइन और नामकरण प्रतियोगिता आयोजित की थी। इस प्रतियोगिता में विशेषकर छात्र, पेशेवर, डिज़ाइनर आदि ने काफी रुचि दिखाई । शुभंकर निर्माण और

नामकरण के लिए भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण को देश भर से 875 प्रविष्टियां प्राप्त हुईं। प्रत्येक प्रतिभागी ने आधार के महत्व की अपने अपने तरह से अनूठी व्याख्या की। चयन प्रक्रिया में निष्पक्षता और सटीकता के लिए बहुस्तरीय मूल्यांकन प्रक्रिया अपनाई गई। संस्थागत लगन और परिश्रम से जनमानस की कल्पना को आकार देने वाला सुंदर परिणाम निकलकर सामने आया। शुभंकर डिजाइन प्रतियोगिता में केरल के त्रिशूर के अरुण गोकुल प्रथम विजेता रहे, जबकि महाराष्ट्र के पुणे के इदरीस दवाईवाला को द्वितीय और उत्तर प्रदेश के गाजीपुर के कृष्णा शर्मा को तीसरा पुरस्कार मिला।

भोपाल की रिया जैन ने दिया शुभंकर का नाम उदय

आधार के नाम से तो देश के सभी आयु वर्ग के नागरिक परिचित हैं क्योंकि सभी नागरिकों के आधार कार्ड बनाए गए हैं।जब आधार के प्रतीक चिन्ह को बनाने की बात चली तो इसके नाम को लेकर भी विचार विमर्श हुआ और तय किया गया कि आधार के शुभंकर का नाम भी आम नागरिकों से प्राप्त किए जाएं।इसके लिए नाकरण प्रतियोगिता आयोजित की गई।शुभंकर के नामकरण के लिए आयोजित प्रतियोगिता में भोपाल की रिया जैन ने प्रथम पुरस्कार जीता जबकि पुणे के इदरीस दवाईवाला दूसरे और हैदराबाद के महाराज सरन चेल्लापिल्ला तीसरे स्थान पर रहे।भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) के अध्यक्ष नीलकंठ मिश्रा ने आज तिरुवनंतपुरम में आयोजित समारोह में यह शुभंकर जारी कर विजेताओं को सम्मानित किया। मिश्रा ने कहा कि शुभंकर भारत के करीब डेढ़ अरब लोगों के लिए आधार संबंधी संचार सरल, अधिक समावेशी और सुलभ बनाने के निरंतर प्रयासों का एक सार्थक कदम है।इस अवसर पर यूआईडीएआई के मुख्य कार्यकारी अधिकारी भुवनेश कुमार ने कहा कि खुली राष्ट्रीय प्रतियोगिता द्वारा लोगों को शुभंकर डिजाइन और नामकरण के लिए आमंत्रित कर यूआईडीएआई ने जन भागीदारी से विश्वास और स्वीकृति बढ़ने के आधार के मूल सिद्धांत की पुष्टि की है। इसके प्रति अत्यंत उत्साह ने दिखाया कि आधार को सार्वजनिक हित के उपाय के तौर पर लोग काफी मान्यता देते हैं। यूआईडीएआई के उप महानिदेशक विवेक सी वर्मा ने कहा कि इस शुभंकर के एक साथी और वाचक के रूप में शामिल होने से लोगों को आधार संबंधी जानकारी आसानी से प्राप्त करने में सहायता मिलेगी।

डीसीपी कार्यालय परिसर के पेड़ों को बचाने के लिए जनहित पार्टी का धरना - प्रदर्शन जारी

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● शहर के पर्यावरण को बचाने के लिए नवगठित जनहित पार्टी लगातार आंदोलन कर रही है। पार्टी के संस्थापक अभय जैन, जो संघ के पूर्व स्वयंसेवक हैं और उनके साथी संख्या में भले ही कम हों पर हौसले में कोई कमी नहीं है। एमओजी लाइन और हुकुमचंद मिल में पेड़ों की कटाई के खिलाफ वे आवाज उठा चुके हैं। अब उन्होंने मेट्रो की जद में आ रहे रीगल तिराहा स्थित डीसीपी कार्यालय परिसर के पेड़ों का मुद्दा उठाया है। यहां स्थित पेड़ों की कटाई के खिलाफ वे और उनकी पार्टी के साथीगण बीते आठ दिनों से परिसर में ही धरना - प्रदर्शन कर रहे हैं। उनकी एक ही मांग है कि प्रस्तावित मेट्रो स्टेशन के लिए पेड़ों की बलि नहीं दी जाए।

धरना - प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे अभय जैन का कहना है कि पर्यावरण का विनाश करके किया जा रहा विकास हमें मंजूर नहीं है। उन्होंने बताया कि डीसीपी कार्यालय परिसर में विभिन्न प्रजातियों के कुल 235 पेड़ हैं। इनमें नीम, बरगद और पीपल के पेड़ भी शामिल हैं। ये पेड़ हमें ऑक्सीजन तो देते ही हैं, हजारों पक्षियों (तोते) का बसेरा भी इन पेड़ों पर है। अगर ये पेड़ काट दिए गए तो इनसे मिलने वाला ऑक्सीजन समाप्त होगा ही, हजारों पक्षियों का बसेरा भी छीन जाएगा। पेड़ों को बचाने की लड़ाई लड़ रहे अभय जैन और उनके साथियों का कहना है कि पर्यावरण की कीमत पर किया जा रहा इंदौर शहर का बेतरतीब विकास मानव स्वास्थ्य के लिए भी घातक है।

फर्जी दस्तावेज के जरिए भूखंड की रजिस्ट्रियां करवाकर बैंकों से लोन लेनेवाले आरोपी गिरफ्तार

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● प्लॉट के फर्जी व कूट रचित दस्तावेज बनाकर उस पर लोन लेकर धोखाधड़ी करने वाले आरोपियों को थाना लसूडिया पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।

ये था पूरा मामला : आवेदिका श्रीमती डाक्टर राजरानी खरे पति शिशिर खरे उम्र 71 साल निवासी वार्ड क्र.08 बैहर रोड बालाघाट ने वर्ष 1980 में एम वाय अस्पताल में डाक्टर के पद पर कार्यरत् रहते हुये, चिकित्सा गृह निर्माण सहकारी समिति इंदौर द्वारा विकसित कॉलोनी, चिकित्सक नगर इंदौर का एक भूखण्ड क्रय कर कब्जा प्राप्त किया था। दिनांक 21.01.25 को एस.एम.एफ.जी इंडिया क्रेडिट फायनेंस बैंक द्वारा डॉ. राजरानी खरे के आधिपत्य/स्वामित्व के उक्त भूखण्ड/भवन पर कब्जा प्राप्त करने के संबंध में एक नोटिस चस्पा किया गया। आवेदिका डाक्टर राजरानी खरे के संज्ञान में यह तथ्य आया, कि आरोपी/संदेहियों द्वारा उनके भूखण्ड/भवन के कथित झूठे दस्तावेज तैयार कर, फर्जी दस्तावेजों के आधार पर बैंक से ऋण प्राप्त कर लिया गया है, तथा बैंक से प्राप्त ऋण ना भरे जाने की दशा, में बैंक द्वारा उनके भूखण्ड/भवन पर कब्जा प्राप्त किया जा रहा है। आवेदिका डॉ.खरे ने इस मामले में शिकायती आवेदन पुलिस थाना लसुडिया जिला इंदौर पर पेश किया।

प्रस्तुत शिकायत आवेदन पर जांच के बाद पुलिस थाना लसुडिया में अप.क्र. 0529/2025 धारा-420, 467, 468, 471, भादवि का पंजीबध्द किया गया।

लसुड़िया पुलिस ने प्रकरण की कथित रजिस्ट्रियों में दर्शित बैंक ट्रांजेक्शन संबंधी संपूर्ण दस्तावेजी जानकारी बैंकों से प्राप्त की। जांच में कथित रजिस्ट्रियों में दर्शित ट्रांजेक्शन संदिग्धों द्वारा आपस में दिखावटी रूप से किया जाना पाया गया। जिसके आधार पर उक्त प्रकरण में आवेदिका डाक्टर राजरानी खरे का प्रतिरूपण करने वाली, कथित महिला उषा बडोनिया निवासी बियाबानी इंदौर जिसने झूठे दस्तावेज में कथित नाम राजरानी खरे पति शिशिर खरे निवासी 101 होल्कर अपार्टमेंट इंदौर होना बताया था, उसे गिरफ्तार किया गया।

भागीरथपुरा त्रासदी पर सत्ता की संवेदनहीनता बेनकाब.. : कांग्रेस

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● इंदौर के भागीरथपुरा क्षेत्र में मानव मल-मूत्र मिले दूषित पेयजल से 20 से अधिक निर्दोष नागरिकों की मृत्यु ने पूरे प्रदेश को झकझोर कर रख दिया है। यह केवल दुर्घटना नहीं, बल्कि शासन-प्रशासन की गंभीर लापरवाही और असफल व्यवस्था का परिणाम है। वर्षों से नागरिक दूषित नर्मदा जल की शिकायत कर रहे थे, लेकिन प्रशासन तब तक मौन रहा जब तक निर्दोष लोगों की जान नहीं चली गई। घटना के बाद नगर निगम द्वारा ताबड़तोड़ विकास कार्य कराए जा रहे हैं, जो इस बात का प्रतीक हैं कि इंदौर में विकास की शुरुआत पहले शहादत और फिर संवेदना से होती है।

मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता अमित चौरसिया ने संघ प्रांत प्रचारक राजमोहन जी एवं महापौर पुष्यमित्र भार्गव से खुला पत्र लिखते हुए मांग की कि भागीरथपुरा क्षेत्र में तत्काल 10म10 फीट भूमि आवंटित की जाए और उन सभी दिवंगत नागरिकों की स्मृति में एक स्थायी स्मारक स्थल का निर्माण किया जाए। उन्होंने स्पष्ट कहा — 'भूमि सरकार आवंटित करे, स्मारक स्थल का निर्माण कांग्रेस अपने स्तर पर कराएगी। अमित चौरसिया ने कहा कि यह स्मारक केवल श्रद्धांजलि का प्रतीक नहीं होगा, बल्कि यह प्रशासन के लिए स्थायी चेतावनी भी बनेगा कि जनता की जान की कीमत पर किया गया विकास कभी स्वीकार्य नहीं हो सकता।

लड़की से छेड़छाड़ और धर्म बदलने का दबाव बजरंगियों ने की जमकर धुनाई

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● विहिप के प्रचार प्रसार प्रमुख देवा शर्मा ने बताया कि लसुड़िया थाना क्षेत्र एक निजी कंपनी टेली परफार्मेन्स में कार्यरत महिला के साथ छेड़छाड़, पीछा करने और धर्म परिवर्तन का दबाव बनाने का गंभीर मामला सामने आया है। पीड़िता ने बजरंग दल कार्यकर्ताओं के साथ थाना उपस्थित होकर मौखिक रिपोर्ट दर्ज कराई है और आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। फरियादिया ने पुलिस को बताया कि वह उक्त पते पर निवास करती है और बीते करीब पांच वर्षों से टेली परफार्मेन्स कंपनी में कार्यरत है। वर्तमान में। उसी कंपनी में आरोपी एमओ (मैनेजर ऑपरेशन) के पद पर कार्यरत है। पीड़िता के अनुसार नवंबर 2025 से उसके प्रति नीयत खराब हो गई थी। वह दोस्ती बढ़ाने और अपने कहे अनुसार चलने का दबाव बनाता रहा और यह तक कहता था कि 'मेरी बात मानोगी तो तुम्हारा फ्यूचर बन जाएगा।' पीड़िता ने बताया कि कई बार समझाने के बावजूद आरोपी नहीं माना और उस पर हिंदू धर्म छोड़कर मुस्लिम धर्म अपनाने का दबाव बनाने लगा। आरोपी द्वारा यह भी कहा जाता था कि वह अकेली है और मुस्लिम धर्म अपनाने पर वह उसकी सारी व्यवस्थाएं करवा देगा तथा उसे सुख-सुविधाएं मिलेंगी।

असम से मप्र आएंगे 50 जंगली भैंसे, गैंडे का जोड़ा बदले में असम को मिलेंगे टाइगर और मगरमच्छ

भोपाल (एजेंसी) ● मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने असम प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा के साथ बैठक की। इस बैठक में दोनों राज्यों के बीच वन्य जीवों के आदान-प्रदान पर सहमति बनी है। समझौते के तहत असम से आगामी तीन वर्षों में तीन समूहों में 50 जंगली भैंस, एक जोड़ा गेंडा और तीन कोबरा मध्यप्रदेश लाए जाएंगे। इन वन्य जीवों को प्रारंभिक रूप से वन विहार राष्ट्रीय उद्यान, भोपाल में रखा जाएगा। इसके बदले मध्यप्रदेश असम को एक जोड़ा टाइगर और छह मगरमच्छ देगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि चीता पुनर्स्थापना की सफलता के बाद अब जंगली भैंसों की वापसी प्रदेश के वन्य जीव संरक्षण इतिहास में एक और महत्वपूर्ण अध्याय जोड़ेगी। मप्र पहले ही 'टाइगर स्टेट' और 'लेपर्ड स्टेट' के रूप में देश में पहचान बना

चुका है। जंगली भैंसों की आबादी प्रदेश में सौ वर्षों से अधिक पहले समाप्त हो चुकी थी और वर्तमान में देश में इनकी प्राकृतिक आबादी मुख्य रूप से असम तक सीमित है।

कान्हा सबसे उपयुक्त क्षेत्र

देहरादून स्थित भारतीय वन्य जीव संस्थान के वैज्ञानिक अध्ययन में यह निष्कर्ष निकला है कि कान्हा टाइगर रिजर्व जंगली भैंसों के पुनर्स्थापन के लिए सबसे उपयुक्त क्षेत्र है। अध्ययन में घास के मैदानों की गुणवत्ता, जल स्रोत, मानव हस्तक्षेप की न्यूनता और अन्य शाकाहारी जीवों के दबाव जैसे पहलुओं का मूल्यांकन किया गया। राज्य सरकार ने इस परियोजना के लिए केंद्रीय चिड़ियाघर प्राधिकरण और भारत सरकार से आवश्यक अनुमतियां लेने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। पुनर्स्थापन को चरणबद्ध और सुरक्षित तरीके से किया जाएगा, ताकि प्राकृतिक प्रजनन और दीर्घकालिक संरक्षण सुनिश्चित हो सके। असम प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री ने बुनकरों के घरों और कार्यशालाओं का अवलोकन करते हुए मूगा (सुनहरा), पैट और एरी रेशम की पारंपरिक बुनाई प्रक्रिया को करीब से देखा।

नगर निगम के स्लॉटर हाउस से 26 टन मांस जब्त... इसमें गोमांस की पुष्टि

भोपाल (एजेंसी) ●जिंसी इलाके में भोपाल नगर निगम की ओर से बड़े दावों के साथ शुरू किया गया आधुनिक स्लॉटर हाउस एक महीने में ही विवादों में घिर गया। स्लॉटर हाउस की गाड़ी से जब्त 26 टन मांस की जांच में गोमांस की पुष्टि हुई है। रिपोर्ट सामने आते ही गुरुवार को शहर में हंगामा मच गया। हिंदू संगठनों के कार्यकर्ताओं ने पुलिस कमिश्नर कार्यालय का करीब 6 घंटे तक घेराव कर प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों को पुलिस कमिश्नर ने कार्रवाई का भरोसा दिलाया। इसके बाद वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर नगर निगम की टीम भारी पुलिस बल के साथ जिंसी स्थित स्लॉटर हाउस पहुंची और 35 करोड़ रुपए के प्लांट को सील कर दिया। स्लॉटर हाउस का संचालन करने वाली कंपनी लाइवस्टॉक फूड प्रोसेसर प्रा. लि. के संचालक असलम कुरैशी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जहांगीराबाद पुलिस ने इस मामले में 17 दिसंबर को असलम समेत दो लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया था। रिपोर्ट आने के बाद दोनों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया।

शहर में रोज 80 से ज्यादा मृत मवेशी मिलते हैं। स्लॉटर हाउस वाले शहरभर से इन्हें इकट्ठा कर प्लांट तक लाते हैं। नियम के मुताबिक, गाय के शव को अलग तरीके से नष्ट किया जाता है। अन्य पशुओं से अलग तरह के उत्पाद बनाए जाते हैं। 22 दिन पहले हिंदू संगठनों ने स्लॉटर हाउस से निकल रही एक गाड़ी रोकी थी। पुलिस ने नमूने जांच के लिए भेजे। गुरुवार को आई रिपोर्ट में गोमांस की पुष्टि हुई। इस पूरे मामले पर नगर निगम कमिश्नर संस्कृति जैन ने कहा कि रिपोर्ट के आधार पर स्लॉटर हाउस को तत्काल सील कर दिया गया है और मामले की जांच की जा रही है।

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत
आपकी बात, इंदौर संकेत के साथ

डिजिटल रूप से लाखों पाठकों के साथ अपना नियमित संपर्क बनाते हुए दैनिक इंदौर संकेत अब एक नई ऊंचाइयों को छू रहा है। आप भी अपने संस्थान, उत्पाद, संस्था का प्रचार-प्रसार दैनिक इंदौर संकेत के माध्यम से सकते हैं। इसके तहत आप चाहे प्रापर्टी व्यवसाय से जुड़े हैं या कोई बधाई संदेश देना है या जन्मदिन की शुभकामनाएं हो या कोई अन्य कैटेगरी में विज्ञापन देना चाहते हैं तो न्यूनतम दर पर प्रकाशित करने के लिए संपर्क कर सकते हैं। दैनिक इंदौर संकेत संवेदनापूर्ण संदेशों को लेकर अत्यंत संवेदनशील है। इसीलिए इस समाचार पत्र में शोक संदेश नि:शुल्क प्रकाशित किए जाएंगे।

कार्यालय का पता
5/6, राज मोहल्ला, महेश नगर,
गुरुद्वारे के सामने, इंदौर
संपर्क: 94250-64357, 94245-83000

सम्पादकीय

मजबूत जीडीपी वृद्धि, लेकिन विकास की पूरी तस्वीर अभी बाकी

सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के नए आंकड़ों से स्पष्ट है कि वैश्विक चुनौतियों के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूत बनी हुई है। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय के मुताबिक, भारतीय अर्थव्यवस्था में 7.4 फीसद की वृद्धि होने की उम्मीद है, जिसमें विनिर्माण, सेवाएं और सरकारी व्यय वृद्धि को गति मिलेगी। जाहिर है, इसका असर नौकरी, महंगाई, आमदनी, कर्ज, कर और सरकारी सुविधाओं पर पड़ेगा। ग्रामीण इलाकों में कृषि से जुड़े रोजगार में बढ़ोतरी हो सकती है। सात फीसद या उससे अधिक दर का मतलब यही है। दूसरी ओर, तेज जीडीपी से मांग बढ़ती है, जिससे यदा-कदा महंगाई का दबाव बनता है। अगर विकास दर संतुलित रहे तो आपूर्ति बढ़ने से महंगाई काबू में रहती है। कहा जा सकता है कि आम आदमी के लिए बहुत तेज विकास दर का मतलब महंगाई का खतरा होता है, वहीं इसकी धीमी रफ्तार से आमदनी प्रभावित होती है। लिहाजा, मध्यम और स्थिर विकास आंकड़ा सबसे अच्छा माना जाता है। कर संग्रह और राजकोषीय घाटे पर कोई प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना नहीं है। व्यापक अर्थव्यवस्था और आगामी केंद्रीय बजट दोनों के दृष्टिकोण से यह अच्छी बात है। जीडीपी दर के समांतर महंगाई काबू में रहे तो केंद्रीय रिजर्व बैंक ब्याज दरें घटा सकता है, जिसका सीधा असर कर्ज की किस्त पर पड़ सकता है। साथ ही, सरकार को मिलने वाला कर राजस्व बढ़ सकता है, जिससे ढांचागत और समाज कल्याण की योजनाओं पर खर्च बढ़ाया जा सकता है। शेयर बाजार में तेजी से म्यूचुअल फंड, भविष्य निधि आदि पर सकारात्मक असर हो सकता है। जीडीपी की दर 2024-25 में 6.5 फीसद की तुलना में अधिक है, और यह मुख्य रूप से विनिर्माण और सेवाओं में वृद्धि के सुधार का नतीजा है। दूसरी ओर, नवीनतम आंकड़ों को लेकर चर्चा में कई पहलुओं की अनदेखी हो रही है। कुछ महीने बाद आने वाले जीडीपी के अनंतिम आंकड़े उनसे प्रभावित दिखेंगे। जीडीपी के आंकड़ों में अवैतनिक श्रम (जैसे घरेलू काम), पर्यावरणीय क्षति, आय असमानता और गैर-बाजार लेनदेन (जैसे स्वयंसेवा) जैसे महत्त्वपूर्ण पहलुओं को नहीं गिना जाता। जीडीपी देश की औसत आय बताता है, लेकिन यह नहीं दिखाता कि धन का वितरण कितना असमान है। उच्च जीडीपी के बावजूद समाज के एक बड़े हिस्से का जीवन स्तर निम्न हो सकता है।

भारत में कम होती सूरज की चमक से आने वाले संकट की आहट देख वैज्ञानिक भी हैरान!

एक नए अध्ययन के अनुसार भारत के कई हिस्सों में सूरज की रोशनी (धूप के घंटे) कम हो रही है, जिसे 'सोलर डिमिंग' कहा गया है, जिसका मुख्य कारण वायु प्रदूषण (एरोसोल) और बढ़ता बादलों का आवरण है, जो सौर ऊर्जा उत्पादन और कृषि को प्रभावित कर सकता है। बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी और अन्य संस्थानों के वैज्ञानिकों ने पिछले 30 सालों (1988-2018) के डेटा का विश्लेषण करके यह पाया है कि उत्तर भारत के मैदानी इलाकों और पश्चिमी तट पर गिरावट सबसे ज्यादा है, जहाँ हर साल औसतन 13.1 घंटे और 8.6 घंटे धूप के कम हुए हैं। लंबे समय तक बारिश और लगातार बादल छाए रहने से ऐसा माहौल बना हुआ है जो गायब हो गया है, लेकिन यह सिर्फ एक एहसास नहीं है, यह आंकड़ों द्वारा समर्थित है। भारतीय उष्णकटिबंधीय मौसम विज्ञान संस्थान (IITM) और पुणे में भारत मौसम विज्ञान विभाग (IMD) के वैज्ञानिकों द्वारा किए गए एक नए अध्ययन में पाया गया है कि पिछले तीस वर्षों में भारत के अधिकांश हिस्सों में सूर्य के प्रकाश के घंटों की संख्या तेजी से कम हो रही है। यह घने बादलों और बढ़ते एयरोसोल प्रदूषण के कारण है। नेचर के हाल के अंक में प्रकाशित। वैज्ञानिकों ने 1988 से 2018 तक नौ क्षेत्रों के बीस मौसम स्टेशनों से सूर्य के प्रकाश 'हमारे डेटा' की जांच की। सूर्य का प्रकाश 'हमारा डेटा' वह अवधि है जब सूर्य का प्रकाश रिकॉर्ड-तीव्र होता है। अवलोकनों के अनुसार, सभी क्षेत्रों में वार्षिक सूर्य के प्रकाश के घंटों में कमी आई है, केवल उत्तर-पूर्व भारत में मानसून में कुछ स्थिरता दिखाई दे रही है। बीएचयू के वैज्ञानिक मनोज के. श्रीवास्तव ने कहा कि पश्चिमी तट पर प्रति वर्ष सूर्य के प्रकाश के औसत घंटों की औसत संख्या में औसतन 8.6 घंटे की कमी आई है, जिसमें सबसे बड़ी गिरावट उत्तरी मैदानी इलाकों में हुई है। लेकिन जून से सितंबर तक इसमें तेजी से गिरावट आई।

जब सूर्य के प्रकाश में कमी के कारणों का अध्ययन किया गया, तो यह पाया गया कि इसके लिए बादल और प्रदूषण जिम्मेदार थे। वैज्ञानिकों का मानना है कि यह 'सौर डिमिंग' (सूर्य के प्रकाश की हानि) एयरोसोल कणों के कारण होता है। एरोसोल कारखाने के धुएं, जलने वाले बायोमास (लकड़ी और कोयला) और वाहनों के प्रदूषण से निकलने वाले छोटे कण होते हैं। वे छोटे बादल की बूंदें बनाते हैं और लंबे समय तक आकाश में लटके रहते हैं। इस साल मानसून के मौसम में भारत के अधिकांश हिस्सों, विशेष रूप से पश्चिमी तट, मध्य भारत और दक्कन के पठार पर लगातार बादल छाए रहे। आर्द्रता और बादलों की प्रकृति समान

होती है। बढ़े हुए एरोसोल बादल वातावरण में लंबे समय तक बने रहते हैं। नतीजतन, सूरज की रोशनी जमीन तक कम पहुंचती है। जलवायु परिवर्तन की भविष्यवाणियां त्रुटिपूर्ण हैं। प्रदूषण और बादलों की प्रकृति बदल रही है। वैज्ञानिकों का कहना है कि अगर यही प्रवृत्ति जारी रही तो भारत को प्रदूषण नियंत्रण और क्लाउड मॉनिटरिंग पर अधिक ध्यान देना होगा, जिससे पता चलता है कि विकास किस तरह पर्यावरण संतुलन को बिगाड़ रहा है। उन्होंने कहा कि भारत को स्वच्छ हवा, कम एरोसोल और बेहतर मौसम पूर्वानुमान पर तेजी से काम करना चाहिए। यह भारत में बढ़ती प्रदूषण की समस्या को दर्शाता है।

पृथ्वी पर पड़ने वाले सूर्य के प्रकाश की अवधि को सनशाइन ऑवर (SSH) कहा जाता है। इस अवधि के दौरान, सूर्य का प्रकाश सीधे पृथ्वी तक पहुंचता है। यह महीने से महीने में बदलता रहता है, जिसका अर्थ है कि सूर्य के प्रकाश की मात्रा महीने से महीने में बदलती रहती है। यह जून और जुलाई में घटती है। अध्ययनों से पता चला है कि एसएसएच अक्टूबर से मई तक सबसे अधिक होता है। ऐसा इसलिए है क्योंकि इन महीनों के दौरान बादल कम होते हैं और बारिश नहीं होती है। अध्ययन पश्चिमी तट पर तीन शहरों पर केंद्रित था। ये तीन शहर तिरुवनंतपुरम, गोवा और मुंबई हैं। पूरे पश्चिमी तट पर प्रति वर्ष औसतन 2,300 घंटे सूरज की रोशनी आती है। 2000 के बाद से, इस क्षेत्र में सूरज की रोशनी की अवधि लगातार कम हो रही है, हर साल औसतन 8.62 घंटे सूरज की रोशनी कम हो रही है नई दिल्ली और अमृतसर के आंकड़ों का अध्ययन किया गया। इन शहरों में प्रति माह औसतन 187 घंटे धूप मिलती है। हालांकि, यह सूरज की रोशनी अब प्रति वर्ष लगभग 13 घंटे की दर से कम हो रही है। अक्टूबर से दिसंबर की अवधि में सबसे कम सूर्य का प्रकाश देखा जाता है, जबकि अप्रैल से मई तक अधिकतम सूर्य का प्रकाश देखा जाता है। भारत के मध्य क्षेत्रों में स्थिति थोड़ी अलग है। बैंगलोर, नागपुर और हैदराबाद में स्थिति थोड़ी अलग है।1988 और 2007 के बीच सूरज की रोशनी में वृद्धि हुई। हालांकि, 2008 के बाद गिरावट शुरू हुई। पूर्व-मानसून और मानसून के मौसम के दौरान सूरज की रोशनी कम थी, जबकि सर्दियों में, कुछ जलवायु परिस्थितियों के कारण धूप में मामूली वृद्धि हुई थी। मध्य भारत में प्रति वर्ष लगभग 2449 घंटे सूरज की रोशनी मिलती थी। हालांकि, 1988 से 2018 के दौरान, प्रति वर्ष 4.71 घंटे की कमी आई। हालांकि, 1988 से 2018 के दौरान, प्रति वर्ष 4.71 घंटे की कमी आई। यह प्रवृत्ति भारत के पूर्वोत्तर भाग में कम दिखाई दे रही थी। गुवाहाटी और डिब्रूगढ़ के आंकड़ों से पता चलता है कि 1998 और 2018 के बीच कुल मिलाकर धूप के समय में मामूली गिरावट आई है। इस बीच, पिछले बीस वर्षों में हिमालयी क्षेत्र में सूर्य के प्रकाश की अवधि में लगातार गिरावट आई है, जहां प्रति वर्ष सूर्य के प्रकाश में लगभग 9.5 घंटे की कमी आ रही है। अरब सागर में मिनिकॉय द्वीप और बंगाल की खाड़ी में पोर्ट ब्लेयर में पिछले 30 वर्षों में सूर्य के प्रकाश के समय में गिरावट देखी गई है, जो प्रति वर्ष लगभग 5.7 से 6.1 घंटे कम हो गई है। अध्ययन के लेखक, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के मनोज कुमार श्रीवास्तव वह भूभौतिकी विभाग में प्रोफेसर हैं। वह बताते हैं कि सूर्य के प्रकाश में कमी का मुख्य कारण वातावरण में पार्टिकुलेट मैटर में वृद्धि है। जैसे-जैसे वातावरण में एरोसोल की मात्रा बढ़ती है, बादल घने और चमकीले होते जाते हैं। वे अधिक समय तक आकाश में रहते हैं। यह सूर्य के प्रकाश को अवरुद्ध करता है, जिसके परिणामस्वरूप पर्याप्त सूर्य का प्रकाश जमीन तक नहीं पहुंचता है। इसे अल्ब्रेक्ट प्रभाव कहा जाता है। कारखाने का धुआं, वाहनों का प्रदूषण, खेत की पराली जलाना, लकड़ी या कोयला पकाना हवा में एरोसोल के स्तर में वृद्धि में योगदान देता है। भारत दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ता सौर बाजार है; हालांकि, कम धूप से बिजली उत्पादन कम होगा, नवीकरणीय बुनियादी ढांचे की योजना बनाना मुश्किल होगा। फसल सूरज की रोशनी पर निर्भर करती है, कम धूप फसल की पैदावार को प्रभावित करेगी। कम धूप कई समस्याएं पैदा करेगी। सूर्य के प्रकाश पर सीधे निर्भर क्षेत्र सबसे अधिक प्रभावित होंगे। सूर्य के प्रकाश के घंटों को कम करने से सौर पैनलों द्वारा बिजली उत्पादन कम हो जाएगा, बिजली उत्पादन दस से बीस प्रतिशत तक प्रभावित होगा, भारत के सौर ऊर्जा अभियान में बाधा आएगी और कृषि क्षेत्र सबसे अधिक प्रभावित होगा। फसलों को प्रकाश संश्लेषण के लिए पर्याप्त धूप नहीं मिलेगी, जिससे खाद्य सुरक्षा प्रभावित होगी, पौधों और पौधों, विशेष रूप से चावल के विकास को धीमा कर दिया जाएगा। गेहूं और कपास जैसी फसलें प्रभावित होंगी। अत्यधिक कोहरा और प्रदूषण सांस संबंधी बीमारियों को बढ़ाता है। सूरज की रोशनी की कमी से विटामिन डी की कमी हो सकती है। यह प्रतिरक्षा प्रणाली को प्रभावित करता है। इसी तरह की चीजें चीन में भी पाई गईं। 1980 और 1990 के दशक में, चीन द्वारा औद्योगीकरण के लिए अपने दरवाजे खोलने के बाद, कई कारखानों, बिजली संयंत्रों और उद्योगों की स्थापना की गई, जिससे चीन की हवा में एरोसोल की मात्रा में काफी वृद्धि हुई।

1960 के दशक में, बीजिंग ने प्रति वर्ष 2,600 घंटे सूरज की रोशनी का अनुभव किया। 2000 तक यह संख्या घटकर लगभग 2,200 घंटे हो गई थी। चीन ने स्थिति की गंभीरता को पहचाना। 2005 के बाद, चीन ने नीतियों और प्रौद्योगिकियों को बदलकर प्रदूषण नियंत्रण में काफी सुधार किया। वायु प्रदूषण की रोकथाम और नियंत्रण के लिए कार्य योजना, 2013 को लागू किया गया था। कोयले से चलने वाले बिजली संयंत्रों को बंद कर दिया गया या अपग्रेड किया गया। चीन वायु प्रदूषण और हरित ऊर्जा दोनों में सबसे आगे है। बीजिंग और शंघाई जैसे शहरों में, औद्योगीकरण और शहरीकरण के कारण यूके, जापान, अमेरिका और जर्मनी में धूप के समय में कमी आई है। उन्होंने कहा कि भारत में सूरज की रोशनी और सूरज की रोशनी में कमी अब एक गंभीर पर्यावरणीय चुनौती पेश करती है।इसका स्वास्थ्य और जलवायु परिवर्तन पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। इससे चरम मौसम की घटनाओं की भविष्यवाणी करना भी मुश्किल हो जाता है। इसलिए भारत को भी बेहतर नीतियों के बारे में सोचने की जरूरत है जैसे प्रदूषण नियंत्रण: उद्योग, परिवहन (वाहनों), और कृषि अपशिष्ट (पराली) से होने वाले उत्सर्जन को सख्ती से नियंत्रित करें। एरोसोल और बादल निगरानी: वायुमंडल में एरोसोल की निगरानी और बादलों के बनने की प्रक्रिया को समझने के लिए मौसम स्टेशनों और उपग्रह प्रणालियों का विस्तार करें। ऊर्जा योजना में बदलाव: सौर ऊर्जा परियोजनाओं की योजना बनाते समय धूप की कमी के प्रभाव को ध्यान में रखें और हाइब्रिड मॉडल (जैसे सौर और पवन ऊर्जा का मिश्रण) पर विचार करें। हरित ऊर्जा और वनरोपण: प्रदूषण को कम करने के लिए नवीकरणीय ऊर्जा और वृक्षारोपण पर अधिक ध्यान दें नीतिगत हस्तक्षेप: सरकार को प्रदूषण नियंत्रण और सतत शहरी विकास के लिए कड़े नियम बनाने होंगे।

अशोक भाटिया, वरिष्ठ स्वतंत्र पत्रकार ,लेखक, समीक्षक एवं टिप्पणीकार

आंचलिक

टंट्या मामा की मूर्ति को लेकर विवाद, कांग्रेस का आरोप- धातु-मार्बल टेंडर के बावजूद फाइबर प्रतिमा लगाई

दैनिक इंदौर संकेत

खरगोन ● टंट्या मामा की मूर्ति स्थापना को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि टेंडर धातु या मार्बल की मूर्ति के लिए निकाला गया था, लेकिन नगरपालिका ने फाइबर की मूर्ति स्थापित कर दी। इस मामले में कांग्रेस जिलाध्यक्ष रवि नाईक के नेतृत्व में गुरुवार को एक प्रतिनिधिमंडल ने कलेक्टर भव्या मित्तल से शिकायत कर निष्पक्ष जांच की मांग की है। जानकारी के अनुसार, 24 सितंबर 2025 को प्रेसिडेंट इन काउंसिल (पीआईसी) की बैठक में संगमरमर पत्थर या धातु की मूर्ति लगाने का निर्णय लिया गया था। नगर पालिका परिषद खरगोन द्वारा जारी विज्ञप्ति में भी धातु या विशेष पत्थर की मूर्ति का उल्लेख था। इसके बावजूद, पिनाक ट्रेडिंग कंपनी खरगोन से 9 लाख 90 हजार रुपए में टंट्या मामा की मूर्ति खरीदने का फैसला किया गया। रवि नाईक ने बताया कि जब टंट्या मामा की मूर्ति स्थापित की गई, तो वह न धातु की थी और न ही पत्थर की, बल्कि फाइबर की थी। उन्होंने आरोप लगाया कि नगर पालिका परिषद ने संबंधित फर्म से मूर्ति प्राप्त करते समय भौतिक सत्यापन पर ध्यान नहीं दिया। नाईक के अनुसार, नगरपालिका के जिम्मेदार लोगों ने जानबूझकर अनदेखी की है, जो प्रथम दृष्टया आर्थिक अपराध की श्रेणी में आता है। उन्होंने दावा किया कि बाजार में इस तरह की फाइबर मूर्ति की कीमत लगभग एक लाख रुपए है।

पॉलिथीन फ्री रहेगा कहार समाज विवाह सम्मेलन, अब तक 116 जोड़ों का पंजीयन

दैनिक इंदौर संकेत

खरगोन ● आगामी 6 फरवरी को मांझी कहार समाज का विवाह सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। गुरुवार को समाज की एक बैठक में इस सम्मेलन की रूपरेखा तैयार की गई। इसमें यह महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया कि पूरा आयोजन पॉलिथीन मुक्त रहेगा। समाज जिलाध्यक्ष नरेंद्र वर्मा ने बताया कि सम्मेलन के लिए अब तक 116 जोड़ों का पंजीयन हो चुका है। उन्होंने अनुमान व्यक्त किया कि इस बार 200 से अधिक जोड़े विवाह बंधन में बंधेंगे। पिछली बार 204 जोड़ों का कन्यादान संपन्न हुआ था। युवा संगठन अध्यक्ष सावन वर्मा ने जानकारी दी कि सम्मेलन खरगोन मंडी परिसर में प्रस्तावित है। उन्होंने बताया कि पिछले दो आयोजनों की व्यवस्था युवाओं ने संभाली थी। इस बार भी युवाओं की अलग-अलग टीमें गठित कर 10 से अधिक व्यवस्थाओं के दायित्व सौंपे गए हैं। इस बैठक में 200 से अधिक समाज प्रतिनिधि उपस्थित रहे और उन्होंने आयोजन की सफलता के लिए अपने विचार साझा किए।

किसानों का अनोखा प्रदर्शन, दोगुने मुआवजे की मांग को लेकर कमर में बांधे केले के पत्ते

दैनिक इंदौर संकेत

बुरहानपुर ● पांगरी बांध परियोजना से प्रभावित किसानों ने गुरुवार को एक बार फिर दोगुने मुआवजे की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन किया। किसानों ने 'आदिमानव आंदोलन' के तहत अपनी कमर पर केले के पत्ते और सिर पर सागवान के पत्ते बांधकर सरकार का ध्यान आकर्षित किया। पिछले दो सालों से किसान विभिन्न तरीकों से विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। उनकी मुख्य मांग है कि भूमि अधिग्रहण कानून 2013 के अनुसार, उन्हें ग्रामीण क्षेत्रों में दोगुना मुआवजा और तोषण का अधिकार मिलना चाहिए। आंदोलन का नेतृत्व कर रहे डॉ. रवि कुमार पटेल ने कहा कि सरकार न्यूनतम मुआवजा देकर किसानों को आदिमानव जैसा जीवन जीने पर मजबूर करना चाहती है, जहां उन्हें स्वास्थ्य, शिक्षा, सुविधा या रोटी, कपड़ा और मकान की

आवश्यकता न हो। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि सरकार का यही रवैया रहा, तो उन्हें उग्र आंदोलन करने के लिए विवश होना पड़ेगा। किसानों ने अपने मौलिक अधिकार 'राइट टू लाइफ विद डिग्निटी' का भी जिक्र किया। उन्होंने बताया कि धारा 300 ए के अनुसार, भूमि पर किसानों का संवैधानिक अधिकार है और सर्वोच्च न्यायालय के फैसले के अनुसार, सरकार बिना पारदर्शिता और उचित मुआवजे के किसानों की भूमि जबरन नहीं ले सकती।

गोवा एक्सप्रेस का ठहराव मंजूर, रेलवे बोर्ड ने सांसद को फोन पर दी जानकारी

दैनिक इंदौर संकेत

बुरहानपुर ● जिले के रेल यात्रियों के लिए गोवा एक्सप्रेस का ठहराव मंजूर कर लिया गया है। सांसद ज्ञानेश्वर पाटिल की लगातार मांग और प्रयासों के बाद यह स्वीकृति मिली है। रेल मंत्रालय के एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर ने मोबाइल पर सांसद पाटिल को इसकी जानकारी दी। मध्य रेल क्षेत्रीय रेल समिति के सदस्य मनोज सोनी और पंकज नाटानी ने गुरुवार को बताया कि खंडवा सांसद ज्ञानेश्वर पाटिल ने पिछले तीन सालों में खंडवा और बुरहानपुर में 14 ट्रेनों के ठहराव स्वीकृत करवाए हैं। इसके अतिरिक्त, नेपानगर में कोरोना काल में बंद हुई अधिकांश ट्रेनों को भी पुन: ठहराव दिलाया गया है। सांसद ज्ञानेश्वर पाटिल बुरहानपुर स्टेशन पर गोवा एक्सप्रेस के ठहराव की मांग लगातार उठा रहे थे। तकनीकी कारणों का हवाला देते हुए रेल विभाग पहले इस ठहराव को देने में असमर्थता जता रहा था, लेकिन सांसद पाटिल अपनी मांग पर अड़े रहे। पिछले पखवाड़े, सांसद पाटिल ने नई दिल्ली में रेल भवन में रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से मुलाकात की थी। उन्होंने मंत्री से इस ट्रेन के ठहराव को स्वीकृति देने का आग्रह किया था। रेल मंत्री के एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर ने बाद में सांसद पाटिल को फोन कर बताया कि रेल मंत्री ने उन्हें बधाई दी है और गोवा एक्सप्रेस के बुरहानपुर स्टेशन पर ठहराव को मंजूरी दे दी है।

33वां आदिवासी एकता महासम्मेलन 13 जनवरी से

दैनिक इंदौर संकेत

बुरहानपुर ● मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी का एक प्रतिनिधिमंडल नेपानगर तहसील के चेनपुरा गांव पहुंचा, जहां उसने 13 से 15 जनवरी तक प्रस्तावित 33 वें आदिवासी सांस्कृतिक एकता महासम्मेलन की तैयारियों का जायजा लिया। यह दौरा प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी के निर्देश पर, जिला प्रभारी ग्यारसीलाल रावत और ग्रामीण जिलाध्यक्ष रविंद्र महाजन के मार्गदर्शन में किया गया। कांग्रेस आईटी सेल के प्रदेश महासचिव धीरज करोसिया ने बताया कि प्रतिनिधिमंडल ने आयोजन स्थल का निरीक्षण किया और स्थानीय आदिवासी समाज के लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याओं पर चर्चा की। कांग्रेस की ओर से महासम्मेलन को सफल बनाने के लिए हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया गया। ग्रामीण कांग्रेस कार्यकारी जिलाध्यक्ष जगमीत सिंह जॉली ने कहा कि यह महासम्मेलन आदिवासी समाज की एकता, संस्कृति, अस्मिता और अधिकारों की रक्षा का बड़ा मंच है।

खंडवा में 466 करोड़ खर्च, फिर भी खेत सूखे, जावर सिंचाई परियोजना में घोटाले का आरोप

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा ● जिले की जावर उद्वहन सिंचाई परियोजना में संयुक्त किसान संगठन ने बड़े घोटाले और धोखाधड़ी के आरोप लगाए हैं। संगठन ने कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर इस परियोजना की उच्चस्तरीय जांच की मांग की है। संगठन का कहना है कि 466 करोड़ 91 लाख रुपए खर्च होने के बावजूद 26 हजार हेक्टेयर में सिंचाई का लक्ष्य सिर्फ कागजों पर पूरा दिखाया गया है, जबकि हकीकत में अधिकांश खेत सूखे पड़े हैं। उन्होंने इसे सिंचाई योजना के बजाय भ्रष्टाचार की मिसाल बताया है। संगठन के पदाधिकारियों ने प्रशासन से तीखे सवाल किए हैं। उन्होंने पूछा कि अगर परियोजना पर 466 करोड़ रुपए खर्च हो चुके हैं, तो पानी कहां गया? दूसरा सवाल यह उठाया कि यदि सरकारी दावों के मुताबिक सिंचाई हो चुकी है, तो आज भी किसानों के खेत सूखे क्यों हैं? किसानों का आरोप है कि सिंचाई के नाम पर झूठे आंकड़े और फर्जी रिपोर्ट तैयार की गई हैं। हजारों हेक्टेयर में सिंचाई का दावा किया गया, लेकिन पानी खेतों तक नहीं पहुंचा। अधूरे

और घटिया निर्माण कार्य को पूरा बताकर करोड़ों रुपए का भुगतान कर दिया गया। पंप, पाइपलाइन और अन्य संरचनाएं कागजों में तो मजबूत दिखाई गई हैं, लेकिन जमीन पर पूरी तरह नाकाम साबित हो रही हैं। संगठन का कहना है कि इस पूरे मामले में अधिकारियों, ठेकेदारों और एजेंसियों की मिलीभगत साफ नजर आती है। स्थिति यह है कि किसान फसल की बर्बादी झेल रहा है और जिम्मेदार लोग परियोजना का फायदा उठा रहे हैं।

अपहृत नाबालिग तीसरे दिन महाराष्ट्र में मिली, जिस प्रेमी के साथ गई थी, पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर जेल भेजा

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा ● नर्मदानगर थाना पुलिस ने मुस्कान अभियान के तहत बड़ी सफलता हासिल करते हुए एक नाबालिग बालिका को महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर जिले से सुरक्षित बरामद किया है। पुलिस ने अपहरण और दुष्कर्म के आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।पुलिस के अनुसार, 2 जनवरी 2026 को फरियादी ने चौकी पुनासा में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उसकी नाबालिग बहन 28 दिसंबर 2025 को बिना बताए घर से चली गई है। परिजनों को आशंका थी कि किसी अज्ञात व्यक्ति ने उसे बहला-फुसलाकर भगा लिया है। इस पर थाना नर्मदानगर में एफआईआर दर्ज कर मामले की जांच शुरू की गई। तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर पुलिस टीम छत्रपति संभाजीनगर (महाराष्ट्र) के ग्राम सेकटिया पहुंची, जहां से 5 जनवरी 2026 को नाबालिग बालिका को आरोपी के कब्जे से बरामद किया गया। बरामदगी के बाद बालिका के बयान के आधार पर प्रकरण में दुष्कर्म और पॉक्सो एक्ट धाराएं जोड़ी गई। पुलिस पूछताछ में आरोपी श्रवण कलमे (20) निवासी अंजनियाकला ने अपराध स्वीकार कर लिया। आरोपी को विशेष न्यायालय खंडवा में पेश किया गया, जहां से उसे जिला जेल खंडवा भेज दिया गया।

जिस सिस्टम को दिनभर कोसा, रात में वहीं फीता काटा, खंडवा सांसद-एमएलए का दोहरा रवैया

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा ● कलेक्ट्रेट सभागार में 'दिशा' की मीटिंग चली। इस दौरान सांसद और विधायक ने मेडिकल कॉलेज अस्पताल को लेकर कई सवाल उठाए। इनमें सामान्य मरीजों को इंदौर रेफर करने, सीवरेज-पेयजल जैसे मामले थे। लेकिन, रात में सांसद-विधायक ने अस्पताल जाकर कंट्रोल रूम का शुभारंभ करते हुए फीता काट दिया। अब माननीयों के इस दोहरे रवैये से हर कोई हैरान हैं। सांसद ज्ञानेश्वर पाटिल ने जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति 'दिशा' की बैठक में सीएमएचओ, सिविल सर्जन व मेडिकल कॉलेज के डीन से कहा था कि जिला अस्पताल में मरीजों को बेहतर उपचार सुविधा उपलब्ध कराएं। किसी भी मरीज को अत्यावश्यक होने पर ही बड़े शहरों के उच्च स्तरीय अस्पतालों में उपचार के लिए रेफर किया जाए। जिला अस्पताल परिसर में मरीजों की सुविधा के लिए शुद्ध पेयजल की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। इसी बैठक में विधायक कंचन तनवे ने कहा था कि जिला अस्पताल के निरीक्षण के दौरान गंदगी पाई जाती है। अस्पताल में गंदगी करने वाले लोगों के विरुद्ध अर्थदंड की कार्रवाई की जाए और और इस संबंध में सूचना पट लगाकर नागरिकों को सचेत भी किया जाए। दिशा की बैठक में दोपहर से लेकर देर शाम तक प्रमुख मुद्दा जिला अस्पताल सह मेडिकल कॉलेज के संबंध में छाया रहा। बैठक के बाद अस्पताल प्रबंधन ने सीसीटीवी कंट्रोल रूम के शुभारंभ का कार्यक्रम बनाया और सांसद-विधायक को बुला लिया।

68वीं राज्य टेबल टेनिस चैम्पियनशिप में नेहल नाहर का दमदार प्रदर्शन, चार वर्गों में जीते पदक

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • मध्य प्रदेश टेबल टेनिस संगठन के तत्वधान में इंदौर के अभय प्रशाल स्टेडियम में 3 से 8 जनवरी तक आयोजित राज्य की सबसे प्रतिष्ठित टेबल टेनिस प्रतियोगिताओं में शामिल इस 68 वी यु.टी.टी. राज्य एवं अंतर जिला टेबल टेनिस चैम्पियनशिप में मेज़बान इंदौर सहित ग्वालियर, भोपाल, बड़वानी, खंडवा, खरगोन, रतलाम, शिवपुरी, जबलपुर सहित प्रदेश से 200 से ज्यादा खिलाड़ियों ने आठ वर्गों में अपनी चुनौती पेश करी। कड़े मुकाबलों और उच्च स्तरीय प्रतिस्पर्धा के बीच नेहल नाहर ने तकनीकी कौशल, मानसिक मजबूती और निरंतरता का शानदार प्रदर्शन किया। नेहल नाहर ने अपने उत्कृष्ट खेल से सभी का ध्यान आकर्षित किया। नेहल ने चार अलग-अलग वर्गों में पदक जीतकर न केवल इंदौर बल्कि पूरे प्रदेश का नाम रोशन किया। पुरस्कार वितरण मध्य प्रदेश ओलिंपिक संघ के उपाध्यक्ष ओम सोनी, बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष सुमित मिश्रा, जयेश आचार्य, प्रमोद सोनी, रिंकू आचार्य,

नीलेश वेद और गौरव पटेल के आतिथ्य में किया गया

नेहल ने अंडर-13 सिंगल्स वर्ग में बेहतरीन खेल दिखाते हुए फाइनल तक का सफर तय किया और रजत पदक अपने नाम किया। इसके अलावा उन्होंने इंदौर 'बी' अंडर-13 टीम की कप्तानी करते हुए टीम को कांस्य पदक दिलाया। टीम स्पर्धा में नेतृत्व करते हुए नेहल का आत्मविश्वास और मैच-रीडिंग काबिले-तारीफ रही।

इतना ही नहीं, नेहल ने अंडर-15 टीम स्पर्धा में भी शानदार योगदान दिया और टीम के साथ रजत पदक जीता। प्रतियोगिता का सबसे प्रभावशाली प्रदर्शन उन्होंने अंडर-17 टीम वर्ग में किया, जहां नेहल की टीम ने लगातार जीत दर्ज करते हुए स्वर्ण पदक हासिल किया। इस चैम्पियनशिप की खास बात यह रही कि नेहल का चयन तीन अलग-अलग आयु वर्ग की इंदौर जिला टीमों में हुआ, जो उनकी बहुआयामी प्रतिभा और खेल के प्रति समर्पण को दर्शाता है। कम उम्र में इतनी बड़ी जिम्मेदारी निभाना और विभिन्न स्तरों पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करना किसी भी खिलाड़ी के लिए बड़ी उपलब्धि मानी जाती है।

कोचों और खेल विशेषज्ञों का मानना है कि नेहल नाहर का फुटवर्क, रिफ्लेक्स और मैच के दौरान रणनीति बदलने की क्षमता उन्हें अन्य खिलाड़ियों से अलग बनाती है। कठिन मुकाबलों में भी उन्होंने संयम नहीं खोया और हर मैच को सीख के रूप में लिया।

हॉरर कॉमेडी फिल्म 'भूत बंगला' की रिलीज डेट फाइनल

मुंबई (एजेंसी) • भूत बंगला इस साल की सबसे ज़्यादा इंतज़ार की जा रही हॉरर-कॉमेडी फिल्मों में से एक है, जिसका दर्शक बेसब्री से इंतज़ार कर रहे हैं। यह फ़िल्म 14 साल बाद हॉरर-कॉमेडी के बादशाह डायरेक्टर प्रियदर्शन और अक्षय कुमार की दमदार वापसी को दर्शाती है, एक ऐसा री-यूनियन जो जबरदस्त एंटरटेनमेंट का वादा करता है। पहले पोस्टर के लॉन्च के बाद से ही उत्साह सातवें आसमान पर था, और फिर आए दिलचस्प मोशन पोस्टर ने फ़िल्म को लेकर पहले से बने ज़बरदस्त बज़ को और भी बढ़ा दिया। अब लंबे इंतज़ार के बाद फ़िल्म की रिलीज़ डेट सामने आ गई है, और यह मच अवेटेड हॉरर-कॉमेडी 15 मई को सिनेमाघरों में दस्तक देने के लिए तैयार है।

कप्तान हैरी ब्रूक ने नाइट क्लब विवाद पर माफी मांगी

लंदन (एजेंसी) • इंग्लैंड के कप्तान हैरी ब्रूक ने न्यूजीलैंड दौरे के दौरान एक नाइट क्लब में हुए विवाद को लेकर माफी मांगी है। यह घटना न्यूजीलैंड के खिलाफ तीसरे वनडे से पहले की रात 31 अक्तूबर, 2025 को हुई थी। यह मामला गुरुवार को सामने आया है। जब घटना वाली रात का एक वीडियो लीक हुआ। इसमें ब्रूक और जैकब बेथेल दोनों शराब पीते दिखे। रिपोर्ट के अनुसार, वेलिंगटन वनडे से एक रात पहले हैरी ब्रूक को एक क्लब में एंट्री नहीं दी गई। इसके बाद बाउंसर ने उन्हें मारा। यह मामला ऐसे समय सामने आया है, जब इंग्लैंड टीम ऑस्ट्रेलिया में 4-1 से एशेज सीरीज हार चुकी है और टीम के कल्चर पर सवाल उठ रहे हैं। ब्रूक इस समय इंग्लैंड की व्हाइट-बॉल टीम के कप्तान हैं और टेस्ट टीम के उपकप्तान भी हैं। कप्तानी बरकरार रखते हुए उन पर करीब 30 हजार पाउंड का जुर्माना लगाया गया है और आखिरी चेतावनी दी गई है।

महिला प्रीमियर लीग का आगाज़ आज से, पहले मैच में मुंबई इंडियंस का सामना आरसीबी से

मुंबई (एजेंसी) • महिला प्रीमियर लीग 2026 की शुरुआत शुक्रवार से हो रही है। टूर्नामेंट के पहले मैच में दो बार की विजेता हरमनप्रीत कौर की अगवाई वाली मुंबई इंडियंस का सामना डब्ल्यूपीएल में एकमात्र खिताब जीतने वाली टीम रॉयल चैलेंजर्स बंगलुरु से होगा, जिसकी कमान स्टार बल्लेबाज स्मृति मंधाना संभाल रही हैं। चौथी डब्ल्यूपीएल का आयोजन दो चरणों में नवी मुंबई और वडोदरा में किया जाएगा। इससे खिलाडियों को जून-जुलाई में इंग्लैंड में होने वाले टी20 विश्व कप के लिए अपनी तैयारियों को परखने का भी मौका मिलेगा। कागजों पर देखा जाए तो मुंबई इंडियंस की टीम काफी मजबूत नजर आती है। उसके पास भारतीय कप्तान हरमनप्रीत के अलावा इंग्लैंड की कप्तान नैट साइवर ब्रंट और वेस्टइंडीज की कप्तान हेली मैथ्यूज जैसी अनुभवी खिलाड़ी भी हैं। मुंबई ने अपने अधिकतर खिलाडियों को टीम में बनाए रखा है और किसी भी टीम के लिए उसे हराना एक चुनौती होगी। न्यूजीलैंड की अमेलिया केर, ऑस्ट्रेलिया की मिली इलिंगवर्थ और भारत की भरोसेमंद अमनजोत कौर की मौजूदगी से उसकी बल्लेबाजी अधिक मजबूत हो गई है। शबनिम इस्माइल मुंबई के गेंदबाजी आक्रमण की अगवाई करेंगी, जिसमें साइका इशाक भी शामिल हैं। आरसीबी की बात करें तो उसके पास मंधाना के अलावा एलिस पेरी जैसी मंझी हुई खिलाड़ी है।

एकता कपूर के शो में लीड रोल अदा करेगी ऐश्वर्या शर्मा

मुंबई (एजेंसी) • काफी समय से चर्चाएं थीं कि एक्ट्रेस ऐश्वर्या शर्मा और नील भट्ट अलग-अलग रह रहे हैं और कपल जल्द ही तलाक ले सकता है। अब ऐश्वर्या शर्मा के लिए प्रोफेशनल फ्रंट पर एक अच्छी खबर है। एक्ट्रेस जल्द ही एकता कपूर के शो में लीड रोल अदा करते दिख सकती हैं। एकता कपूर अपने डिजिटल प्लेटफॉर्म के लिए एक नई वेब सीरीज की तैयारी में जुटी हुई हैं। चर्चा है कि इस अपकमिंग प्रोजेक्ट में ऐश्वर्या शर्मा को मुख्य भूमिका के लिए कास्ट किए जाने की संभावना है। अगर सब कुछ प्लान के मुताबिक रहा, तो उनके अपोजिट एक्टर वरुण विजय नजर आ सकते हैं, जो इससे पहले 'ससुराल सिमर का' और 'अनुपमा' जैसे लोकप्रिय शोज का हिस्सा रह चुके हैं। इंडस्ट्री के एक सोर्स ने बताया कि मेकर्स ऐश्वर्या शर्मा से सीरियल को लेकर बात कर रहे हैं। ऐश्वर्या शर्मा उन चुनिंदा अभिनेत्रियों में से हैं जिनसे शो के लिए बातचीत हो रही है।

बताया जा रहा है कि मेकर्स उन्हें लीड रोल में लेने को लेकर काफी सकारात्मक हैं। हालांकि, फिलहाल शो के टाइटल, स्टारकास्ट और रिलीज से जुड़ी किसी भी जानकारी पर आधिकारिक मुहर नहीं लगी है।

उज्जैन संभाग

40 लोगों को काटने के बाद पागल कुत्ते की मौत, महिदपुर में दहशत में घायल

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन • उज्जैन के महिदपुर में बुधवार को एक कुत्ते ने 40 लोगों को काटा। सभी एक-एक कर अस्पताल पहुंचे। जानकारी मिलते ही नगर पालिका की टीम हरकत में आई। कुत्ते को घेराबंदी कर पकड़ा। इसके कुछ ही देर बाद कुत्ते की मौत हो गई। इसका पता लगते ही इलाके में दहशत फैल गई। जिन लोगों को कुत्ते ने काटा था, वे दोबारा अस्पताल पहुंचने लगे। मामला टेंशन चौराहा और कीर्तनिया बाखल इलाके में बुधवार का है। वहीं, ग्वालियर में बुधवार को ही 12 कुत्तों ने स्कूली छात्र पर हमला कर दिया। बच्चे ने भागकर जान बचाई। महिदपुर के मुख्य नगर पालिका अधिकारी (सीएमओ) राजा यादव ने बताया- कुत्ता पागल था। नगर पालिका के स्वच्छता निरीक्षक उमेश दावरे के नेतृत्व में टीम ने उसे पकड़ लिया। बाद में उसकी मौत हो गई। हमारी टीम हालात पर नजर रख रही है। दूसरे कुत्तों की निगरानी भी की जा रही है।

महिदपुर मेडिकल ऑफिसर डॉ. एमएस रामपुरे ने बताया कि महिदपुर में डॉग बाइट की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। बीते सात दिन में करीब 80 लोग डॉग बाइट के इलाज के लिए अस्पताल पहुंचे हैं। इससे पहले जूनी कोर्ट एरिया और आसपास के इलाकों में भी पागल कुत्ते ने 6 से ज्यादा लोगों को काटा था। दिसंबर 2025 से अब तक शहर और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से 230 से

ज्यादा ऐसे मामले दर्ज किए जा चुके हैं। उधर, ग्वालियर में भी बुधवार को ही स्कूली छात्र पर कुत्तों के हमले की घटना सामने आई है। मामला शताब्दीपुरम कॉलोनी के डी ब्लॉक का है, जहां दोपहर करीब डेढ़ बजे स्कूल से लौट रहे एक बच्चे पर करीब 12 पालतू कुत्तों ने हमला कर दिया। उसने भागकर अपनी जान बचाई। घटना कॉलोनी में लगे ष्टष्टञ्जङ्क कैमरे में कैद हो गई। इन कुत्तों को पड़ोस में रहने वाली महिला ने पाल रखा है। पीड़ित बच्चे के पिता नरेंद्र भारद्वाज ने जब यह बात उस महिला को बताई, तो विवाद हो गया। पुलिस के हस्तक्षेप के बाद मामला शांत हो सका।

मुख्य सचिव ने किया सिंहस्थ का रिव्यू:3 विभागों के काम धीमे, सीएस बोले- जल संसाधन से सीखो

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन • सिंहस्थ की तैयारियों के कामों का रिव्यू कर रहे मुख्य सचिव (सीएस) अनुराग जैन ने तल्ख लहजे में तीन विभागों पर्यटन, पीडब्ल्यूडी और नगरीय विकास एवं आवास विभाग (अर्बन) को कहा कि वे अपने विभाग के कामों की गति बढ़ाएं। जल संसाधन के सभी कामों की मंजूरी हो गई है। काम शुरू हो गए हैं। यह सिंहस्थ से काफी पहले पूरे भी हो जाएंगे, लेकिन आपके धीमी गति से चल रहे हैं। सीएस ने गुरुवार को मंत्रालय में यह रिव्यू किया और कहा कि अब साप्ताहिक समीक्षा की जाए और यह भी तय हो कि निश्चित अवधि से पहले सिंहस्थ के काम हों। सीएस ने कहा कि सिंहस्थ में जितने भी नए काम प्रस्तावित हैं, उनका स्पॉट निरीक्षण उज्जैन संभाग के प्रभारी व अपर मुख्य सचिव डॉ. राजेश राजौरा व अपर मुख्य सचिव संजय दुबे 11 जनवरी को करेंगे। बैठक में 10 विभागों के कुल 13 हजार 806 करोड़ के कामों का रिव्यू हुआ। इनके कुल 156 काम उज्जैन व आसपास होने हैं। इसमें से अभी 125 काम ही प्रारंभ हो पाए हैं। करीब 17 काम टेंडर प्रक्रिया में हैं। कान्ह नदी के पांच बैराजों का काम सबसे तेजी से चल रहा है।

उज्जैन के तालाबों में 67 पक्षी प्रजातियां मिलींए एशियन वॉटरबर्ड सेंसस- 2026 में विदेशी परिंदों का बसेरा दर्ज

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन • श्री महाकालेश्वर की नगरी उज्जैन में विदेशी पक्षियों का जमावड़ा लगा हुआ है। एशियन वॉटरबर्ड सेंसस 2026 के तहत जिले के तालाबों और जलाशयों में किए गए सर्वेक्षण में कुल 67 पक्षी प्रजातियां दर्ज की गई हैं। इसे उज्जैन की जैव विविधता के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है। जिला वनमंडलाधिकारी अनुराग तिवारी ने बताया कि यह उज्जैन के जैव विविधता इतिहास में एक अहम घटना है। यह सर्वेक्षण 3 और 4 जनवरी को जिले के विभिन्न जलस्त्रोतों पर किया गया। इसमें देसी के साथ-साथ प्रवासी पक्षियों की उल्लेखनीय उपस्थिति सामने आई है। सर्वेक्षण 17 बर्ड वॉचर्स की एक टीम द्वारा किया गया। टीम ने उंडासा तालाब, सिलारखेड़ी तालाब, उज्जैन रोड क्षेत्र, गोगापुर क्षेत्र और पुरुषोत्तम सागर तालाब सहित कई प्रमुख जलाशयों और तालाबों में पक्षियों की गणना की।इन सभी जलस्त्रोतों पर पक्षियों की विविध प्रजातियां देखी गईं, जो क्षेत्र के अनुकूल पर्यावरण और जल उपलब्धता को दर्शाती हैं। सर्वे के दौरान ब्लैक-विंग्ड स्टिल्ट, लेसर व्हिस्लिंग डक, इंडियन स्पॉट-बिल्ड डक, सारस क्रेन, नॉर्दर्न शोवेलर, यूरेशियन कूट, कॉमन और वुड सैंडपाइपर, व्हाइट और ग्रे वैगटेल, सिट्रीन वैगटेल, लिटिल रिंग्ड प्लोवर, साइबेरियन स्टोनचैट, पाइड बुशचैट और मोरहेन जैसी प्रमुख प्रजातियां दर्ज की गईं।

नीति आयोग के अफसर मंडी पहुंचे, भावांतर भुगतान योजना को लेकर किसानों से चर्चा

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन • नीति आयोग की तीन सदस्यीय टीम ने गुरुवार को कृषि उपज मंडी में सोयाबीन भावांतर योजना का एक दिवसीय अध्ययन किया। टीम में डीएमईओ की अधिकारी मेघा कपूर, रेनू अग्रवाल और प्रियंका उदय शामिल रहीं। सुबह से शाम तक मंडी परिसर में अधिकारियों की मौजूदगी रही। अलग-अलग विभागों के साथ मैराथन बैठकें हुईं।

अध्ययन दल ने किसानों, व्यापारियों और प्लांट संचालकों से अलग-अलग चर्चा की। किसानों के समूह में भारतीय किसान संघ के बहादुरसिंह आंजना, उपाध्यक्ष शिवचरण शर्मा, ईश्वर सिंह सहित 15 किसान शामिल हुए। प्लांट संचालकों में अवि एग्रो और स्काईलार्क के अधिकारी मौजूद रहे। कृषि विभाग के उपसंचालक यूएस तोमर ने उज्जैन जिले में सोयाबीन उत्पादन और भावांतर योजना की जानकारी दी। मंडी बोर्ड के संयुक्त संचालक एमएस मुनिया और मंडी सचिव राजेश गोयल ने भी विचार साझा किए। व्यापारी संघ के अध्यक्ष जितेंद्र अग्रवाल, अनिल गर्ग, हजारीलाल मालवीय, अशोक तल्लेरा, राजेंद्र राठौड़ सहित 12 व्यापारी भी बैठक में शामिल हुए। अध्ययन दल ने अतिरिक्त जिला दंडाधिकारी और मंडी के भारसाधक अधिकारी अत्येंद्र सिंह गुर्जर से भी चर्चा की। मंडी संचालन और भावांतर योजना की जानकारी ली।

अधिकारियों ने मंडी नीलामी स्थल पर जाकर ट्रॉली में मौजूद किसानों से सीधी बातचीत की। योजना की जमीनी हकीकत जानी। मंडी में भावांतर भुगतान योजना सफलतापूर्वक चल रही है। नीति आयोग के अधिकारी इसके निरंतर अध्ययन से खामियों को समय पर दूर करने की बात कह रहे हैं।

फ्लोराइड युक्त पानी से बच्चों के दांत पीले, पीएचई ने हैंडपंपों पर लगाए लाल निशान

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा •इंदौर में दूषित पानी से मौतों के बाद अब मध्य प्रदेश के खंडवा जिले का किल्लौद ब्लॉक चिंता का केंद्र बनता जा रहा है। यहां एक दर्जन से ज्यादा गांवों में लोग मजबूरी में फ्लोराइड युक्त पानी पी रहे हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि इस पानी ने बच्चों और युवाओं की सेहत बिगाड़ दी है। कई गांवों में बच्चों के दांत पीले पड़ गए हैं, युवाओं के हाथ ठीक से नहीं मुड़ पा रहे, वहीं इंफेक्शन, जोड़ों में दर्द और कमजोरी की शिकायतें सामने आ रही हैं। ग्रामीणों ने इस गंभीर समस्या को लेकर कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर ज्ञापन सौंपा है। ग्रामीणों के अनुसार जांच के दौरान कई गांवों में पानी में फ्लोराइड की मात्रा 2.0 से 5.0 पार्ट्स पर मिलियन पाई गई है, जबकि सुरक्षित सीमा 1.0 पीपीएम से कम मानी जाती है। अधिक फ्लोराइड के कारण क्षेत्र में डेंटल और स्केलेटल फ्लोरोसिस के लक्षण दिखाई देने लगे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि कई लोगों को कम दिखने, दांत गिरने, बाल समय से पहले सफेद होने और लगातार जोड़ों में दर्द जैसी समस्याएं हो रही हैं।

नल-जल योजना का पानी भी दूषित

किल्लौद ब्लॉक के ग्राम गरबड़ी में हालात और भी गंभीर हैं। यहां नल-जल योजना के तहत जो पानी सप्लाई हो रहा है, उसमें भी फ्लोराइड की मात्रा अधिक बताई जा रही है। गांव की करीब 3 हजार की आबादी के लिए पीने के पानी का एकमात्र स्त्रोत एक ही बोरवेल है, जिससे पूरे गांव में सप्लाई की जाती है।

ग्रामीण बोले- इंदौर जैसी घटना न हो

ग्राम गरबड़ी के रहने वाले शिवराज सिंह सिसोदिया ने बताया कि, हमारे गांव में पानी पीने से बच्चों के दांत पीले हो रहे हैं। युवाओं के हाथों में दिक्कत है और लीवर इंफेक्शन जैसी बीमारियां बढ़ रही हैं। इंदौर जैसी घटना हमारे गांव में न हो, इसलिए कलेक्टर के पास शिकायत लेकर आए हैं। हमें साफ पानी चाहिए।' मामला सामने आने के बाद लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग (क्क॥श्व) की टीम ने प्रभावित गांवों का निरीक्षण किया। जिन हैंडपंप और ट्यूबवेल (नलकूप) में फ्लोराइड की मात्रा अधिक पाई गई, वहां लाल निशान लगाकर ग्रामीणों से पानी का उपयोग न करने की अपील की गई है। खंडवा कलेक्टर ऋषव गुप्ता ने बताया कि, किल्लौद ब्लॉक के कुछ गांवों में पानी में फ्लोराइड की मात्रा अधिक पाई गई है। PHE द्वारा जांच कर दूषित जल स्त्रोतों पर लाल निशान लगाए गए हैं। ग्राम पंचायतों को निर्देश दिए गए हैं कि रेन वाटर हार्वेस्टिंग, तालाब और वाटर टैंक जैसे कार्य कराए जाएं, ताकि लोगों को सुरक्षित पेयजल मिल सके।

ग्रामीणों का सवाल- चिह्नांकन हुआ, समाधान कब?

ग्रामीणों का आरोप है कि विभाग ने दूषित जल स्त्रोतों को चिह्नित तो कर दिया, लेकिन न तो उन्हें पूरी तरह बंद किया गया और न ही फिल्टर प्लांट या स्थायी शुद्ध पेयजल व्यवस्था शुरू की गई। लंबे समय से लोग फ्लोरोसिस और अन्य बीमारियों से जूझ रहे हैं, लेकिन समाधान अब तक सिर्फ कागजों तक सीमित है।

न्यूज ब्रीफ

अजा-जजा के युवाओं को मिलेगा नि:शुल्क प्रशिक्षण

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● अनुसूचित जाति/जनजाति के युवाओं को मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा वर्ष-2027 में आयोजित की जाने वाली राज्य सेवा की प्रारंभिक और मुख्य परीक्षा के लिये नि:शुल्क कोचिंग दी जायेगी। इसके लिये आवेदन 27 फरवरी तक जमा किये जा सकतें है। कोचिंग कक्षाएं 3 मई 2026 से प्रारंभ होगी। शासकीय पूर्व परीक्षण केन्द्र में यह कोचिंग दी जायेगी। केन्द्र की प्राचार्य तथा सहायक आयुक्त श्रीमती आशा चौहान ने बताया कि आवेदक को मध्यप्रदेश राज्य का अनुसूचित जाति / जनजाति वर्ग से होना चाहिए। समस्त स्त्रोतों से वार्षिक आय 6 लाख रूपये से अधिक न हो। न्यूनतम आयु 18 वर्ष एवं अधिकत्तम आयु 35 वर्ष होना तथा प्रशिक्षण में प्रवेश हेतु स्नातक में 55 प्रतिशत अंक होना अनिवार्य है। प्रशिक्षण का माध्यम हिन्दी होगा। उक्त प्रशिक्षण की संभावित तिथि 03 मई 2026 है। पात्र अभ्यर्थी अपना आवेदन संस्था से शीघ्र प्राप्त कर, उसकी प्रतिपूर्ति कर आवश्यक डॉक्युमेंट संलग्न कर 12 जनवरी 2026 से 27 फरवरी 2026 तक संस्थान में जमा कर सकतें है। छात्रावास सुविधा उपलब्ध नहीं होगी।

जिले में उपभोक्ता सेवा सुविधा अभियान प्रारंभ

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● कलेक्टर शिवम वर्मा के निर्देशानुसार इंदौर जिले में उपभोक्ता सेवा सुविधा अभियान प्रारंभ किया गया है। इस अभियान के माध्यम से व्यावसायिक उपयोग में आने वाले ऐसे सभी प्रकार के नापतौल उपकरण जैसे- बाट, माप, इलेक्ट्रॉनिक मशीन, पेट्रोल-डीजल पंप आदि का निरीक्षण किया जायेगा। इस अभियान के दौरान त्रुटिकर्ता के विरुद्ध विधिक मापविज्ञान अधिनियम 2009 एवं अन्य प्रभावी नियमों के अतंर्गत प्रकरण पंजीबद्ध किये जायेंगे। अभियान में उपभोक्ता सेवा सुविधा के अंतर्गत पेट्रोल-डीजल पंप पर मात्रा की जांच हेतु आवश्यक 5 लीटर का सत्यापित/मुद्रांकित माप एवं एल.पी.जी. हॉकर के पास उपभोक्ता को सिलेण्डर तौल कर देने / दिखाने हेतु नियमानुसार आवश्यक तौल उपकरण है या नहीं। साथ ही विभिन्न किराना / हाट बाजार आदि व्यापारियों की विशेष जांच भी की जायेगी। नाप तौल विभाग द्वारा वित्तीय वर्ष 2025-26 में माह दिसम्बर 2025 तक एक करोड़ 35 लाख 27 हजार 711 रुपये के नापतौल उपकरणों का सत्यापन/मुद्रांकन कर राशि प्राप्त की गई।

'हर घर जल प्रमाणित' घोषित करने को लेकर कशमकश में सरकार

इंदौर जिले के शत-प्रतिशत घरों में नलों से पानी सप्लाई की टेस्टिंग के साथ अन्य तैयारियां पूरी

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल ● देश-दुनिया में स्वच्छता को लेकर सुर्खियों रहने वाला मप्र का इंदौर शहर नए साल की शुरुआत से दूषित पानी से हुई मौतों को लेकर लगातार चर्चा में है। इंदौर के भागीरथपुरा क्षेत्र में दूषित पानी से 18 लोगों की मौत हो चुकी है और बड़ी संख्या में लोग बीमार पड़ गए। इस घटना से मप्र सरकार की नए साल में इंदौर को 'हर घर जल प्रमाणित' जिला घोषित करने की तैयारियों को तगड़ा झटका लगा है। आधिकारिक जानकारी के मुताबिक इंदौर जिले के शत-प्रतिशत घरों में नलों से पानी की सप्लाई की टेस्टिंग के साथ अन्य तैयारियां पूरी हो चुकी है। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी (पीएचई) विभाग पिछले दिनों इंदौर को हर घर जल प्रमाणित जिला घोषित किए जाने के संबंध में सीएम सचिवालय को प्रस्ताव भेज चुका है। सरकार इंदौर जिले को हर घर जल प्रमाणित घोषित करने की तैयारियां कर ही रही थी कि देश के सबसे स्वच्छ शहर इंदौर में दूषित पानी से मौतों का बड़ा मामला सामने आ गया। चूंकि पानी से मौतों का मामला अभी गर्माया हुआ है, ऐसे में सरकार इंदौर को हर घर जल प्रमाणित जिला घोषित करने को लेकर असमंजस में हैं। मंत्रालय के सूत्रों का कहना है कि इंदौर को कब तक हर घर जल प्रमाणित जिला घोषित किया जाए, इस संबंध में उच्च स्तर पर मंथन जारी है। डॉ. मोहन यादव सरकार के दो साल के कार्यकाल में इंदौर हर घर जल प्रमाणित होने वाला पहला जिला होगा। जानकारी के मुताबिक देश में जल जीवन मिशन को लॉन्च हुए 6 साल से ज्यादा हो गए। इस दरमियान प्रदेश के सिर्फ 2 जिलों में ही 100 प्रतिशत घरों में नलों से पानी की सप्लाई हो पाई है। इन 2 जिलों को हर घर जल प्रमाणित जिला घोषित किया गया है। सबसे पहले जुलाई, 2022 में बुरहानपुर को हर घर जल प्रमाणित जिला घोषित किया गया। इसके 11 महीने बाद जून, 2023 में निवाड़ी प्रदेश का दूसरा हर घर जल प्रमाणित जिला घोषित हुआ। इसके बाद प्रदेश में एक भी जिले को हर घर जल प्रमाणित जिला घोषित नहीं किया गया है।

- प्रदेश के 55 जिलों में से अब तक सिर्फ 2 जिले हर घर जल प्रमाणित घोषित
- 2022 में बुरहानपुर व 2023 में निवाड़ी घोषित हुआ था हर घर जल प्रमाणित जिला

प्रदेश में जल जीवन मिशन पर एक नजर

- योजना में शामिल गांव- 51 हजार से ज्यादा
- कुल घरों की संख्या- एक करोड़ 12 लाख
- अब तक कितने घरों में सप्लाई 81 लाख
- बकाया बचे घर- 31 लाख
- प्रदेश में हर घर जल प्रमाणित घोषित जिले - 02

मप्र में जल जीवन मिशन का 72.54 प्रतिशत काम पूरा

अधिकारियों का कहना है कि जल जीवन मिशन के तहत प्रदेश में 51 हजार से ज्यादा गांवों में नल से जल की सप्लाई की जानी है। इन गांवों में घरों की संख्या करीब एक करोड़ 12 लाख है, जिनमें नलों से पानी पहुंचाया जाना है। जल जीवन मिशन में दो तरह की योजनाओं पर काम चल रहा है। एकल नल जल योजना और समूह नल जल योजना। प्रदेश के 27 हजार 990 गांवों में एकल नल जल योजनाओं से पानी की सप्लाई की जानी है। शेष गांवो मैं समूह नल जल योजनाओं पर आधारित प्रोजेक्ट चल रहे हैं। एकल नल जल योजना का काम तेज गति से चल रहा है। इसमें कोई रुकावट नहीं आ रही है। इस योजना का लगभग 93 प्रतिशत (दस दिसंबर की स्थिति में) काम पूरा हो गया है, जबकि समूह नल जल योजना में कई तरह की रुकावटें आ रही हैं। समूह नल जल योजनाओं का काम अटका होने के कारण कई जिले हर घर प्रमाणित घोषित नहीं हो पा रहे हैं। इनमें भोपाल जिला भी शामिल है। दस दिसंबर की स्थिति में मप्र में जल जीवन मिशन का 72.54 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है। बता दें कि केंद्र सरकार ने जल जीवन मिशन की डेडलाइन मार्च, 2024 रखी थी। चूंकि इस अवधि में अधिकतर राज्यों में जल जीवन मिशन का काम पूरा नहीं हो पाया, इस कारण मिशन की अवधि वर्ष 2028 तक बढ़ा दी गई है।

उज्जैन संभाग के सभी जिलों में तैयारियां पूरी

पीएचई विभाग के अधिकारियों का कहना है कि उज्जैन संभाग के सभी 7 जिलों को भी हर घर जल प्रमाणित घोषित करने की तैयारियां पूरी हो गई है। इन जिलों में उज्जैन, देवास, रतलाम, आगर मालवा, शाजापुर, मंदसौर और नीमच शामिल हैं। हरदा में भी नल से जल सप्लाई का काम लगभग पूरा हो गया है। प्रदेश में कुल जिलों की संख्या 55 है।

भागीरथपुरा में मंत्री विजयवर्गीय ने अपनी टीम उतारी, राहत सामग्री बांटी

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर में अपनी ही विधानसभा एक में हुए भागीरथपुरा के गंदे पानी के कांड में अब मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने अपनी टीम उतार दी है। डैमेज कंट्रोल के लिए जुटे मंत्री ने अपने स्तर पर ही लोगों को अब राहत सामग्री का वितरण शुरू कर दिया है।

इसके लिए इंदौर के सभी दानवीरों और अपने मित्रों से उनके द्वारा मदद ली गई है। इसके साथ ही उनके बेटे और पूर्व विधायक आकाश विजयवर्गीय मैदान में उतर गए हैं। उनके साथ विधायक रमेश मेंदोला भी थे।

हर घर पहुंचा रहे राशन किट-गुरुवार 8 जनवरी को आकाश विजयवर्गीय ने सबसे बड़ा कदम उठाया। उन्होंने प्रभावित क्षेत्र में राशन किट वितरण शुरू किया और राहत राशि दी। इस दौरान उन्होंने प्रभावितों से कहा कि सभी को मिलकर घटना का सामना करना है। सेवा में लगे रहना है। सीएम मोहन यादव के निर्देश और कैलाश जी के नेतृत्व में सेवाएं चल रही है।

इस महामारी के कारण लोग काम करने नहीं जा सके हैं। इसके लिए उन्हें सहयोग किया जाना चाहिए। इसलिए यह व्यवस्था की गई है। विधायक रमेश मेंदोला की टीम द्वारा भी व्यवस्थाएं की गई है। सभी घरों की बूथवार लिस्ट बनाकर यह सामग्री दी जा रही है।

मंत्री विजयवर्गीय ने यह दिया संदेश-वहीं मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने ट्वीट के जरिए संदेश दिया कि इंदौर भामाशाहों की धरती है। भागीरथपुरा के पीड़ितों के लिए सभी मदद कर रहे हैं। दिवंगतों के पीड़ित प्रत्येक परिवारों को मोरारी बापूजी द्वारा 15 हजार रुपए देने की घोषणा भी की गई है।

5 पॉइंट्स में समझें पूरी स्टोरी

- इंदौर में भागीरथपुरा इलाके के गंदे पानी के कांड को लेकर मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने अपनी टीम उतारी है।
- आकाश विजयवर्गीय ने प्रभावित क्षेत्र में राशन किट वितरण शुरू किया और प्रभावितों को राहत राशि दी।
- विधायक रमेश मेंदोला ने भी राहत कार्य में सहयोग किया और घरों की बूथवार लिस्ट तैयार कर सामग्री का वितरण किया।
- मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने ट्वीट कर कहा कि इंदौर भामाशाहों की धरती है और भागीरथपुरा के पीड़ितों के लिए हर कोई मदद कर रहा है।
- मंत्री ने यह भी घोषणा की कि दिवंगत पीड़ित परिवारों को मोरारी बापू द्वारा 15 हजार रुपए दिए जाएंगे।
- रमेश मेंदोला मंत्री कैलाश विजयवर्गीय आकाश विजयवर्गीय भागीरथपुरा भागीरथपुरा कांड

डांसिंग कॉप रंजीत सिंह पर विभागीय जांच, फिर भी बना रहे रील

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर के डांसिंग ट्रैफिक कॉप कहे जाने वाले रंजीत सिंह एक नए विवाद में घिर गए हैं। एक महिला ने सोशल मीडिया के माध्यम से उन पर गंभीर आरोप लगाए थे। ये आरोप पहले जांच में सही पाए गए, तो उन्हें लाइन अटैच किया गया। इसके बाद विभागीय जांच भी बैठा दी गई। इस जांच के दौरान ही वह डीजीपी कैलाश मकवाना के आदेश को ताक पर बैठे काम कर रहे हैं। पुलिस महानिदेशक मकवाना ने 10 दिसंबर 2025 को एक आदेश जारी किया था, जिसमें कहा गया था कि पुलिसकर्मी वर्दी में किसी भी तरह की रील नहीं बनाएंगे। उन्होंने कहा कि यह गंभीर अनुशासनहीनता है। पुलिसकर्मियों में सोशल मीडिया पर रील बनाने का ट्रेंड बढ़ने के बाद डीजीपी ने नई SOP जारी की थी। इसके तहत अगर कोई पुलिसकर्मी वर्दी में रील बनाता है, तो उसके खिलाफ निलंबन, वेतन वृद्धि रोकने, सेवा से बर्खास्तगी और विभागीय जांच जैसी सख्त कार्रवाई हो सकती है।

डीजीपी ने साफ कहा कि वर्दी में रहते हुए पुलिसकर्मी सोशल मीडिया का इस्तेमाल सिर्फ अपने आधिकारिक कामों के लिए करेंगे। विभाग ने यह भी स्पष्ट किया है कि वर्दी की गरिमा और अनुशासन बनाए रखना उनकी सबसे बड़ी प्राथमिकता है।

डांसिंग ट्रैफिक कॉप रंजीत सिंह क्या कर रहे हैं

सितंबर 2025 में रंजीत (इंदौर डांसिंग ट्रैफिक कॉप रंजीत सिंह) पर महिला ने गंभीर आरोप लगाए थे। इसके बाद बवाल मचा और रणजीत को ड्यूटी से हटाकर उन पर जांच बैठा दी गई।

इसमें रणजीत पर प्रारंभिक तौर पर आरोप सही पाए गए। इसके बाद अब उनकी विभागीय जांच बैठा दी गई। वहीं इस जांच के दौरान ही रंजीत लगातार वर्दी में ही रील बनाकर डाल रहे हैं। यह रील वह बार्डर फिल्म के गाने से लेकर हीरो स्टाइल में आने की बना रहे है। उनके इंस्टाग्राम इन रील से भरे पड़े हैं। जिसमें वह खुद की हीरोइज्म इमेज बनाने में लगे रहते हैं। खासकर डीजीपी के आदेश के बाद भी यह रील बनना बंद नहीं हुई है।

क्या बोल रहे अधिकारी

एडिशनल डीसीपी इंदौर क्राइम ब्रांच राजेश दंडोतिया ने कहा कि रंजीत की विभागीय जांच चल रही है। रील बनाने का मामला अभी संज्ञान में नहीं आया है। यदि ऐसा है तो विधिसम्मत कार्रवाई की जाएगी।

मुख्यमंत्री कल लॉन्च करेंगे लोकपथ एप-2

'एप' से आसान होगा वाहन चालकों का सफर

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल ● प्रदेश में वाहन चालकों की यात्रा को पहले से कहीं अधिक आसान, सुरक्षित और सुविधाजनक बनाने की दिशा में राज्य सरकार एक और तकनीकी पहल करने जा रही है। लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) द्वारा तैयार किए गए अत्याधुनिक 'लोकपथ एप-2' को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 10 जनवरी को भोपाल के रवींद्र भवन में आयोजित कार्यक्रम में औपचारिक रूप से लॉन्च करेंगे।

यह मोबाइल एप खास तौर पर प्रदेश में प्रवेश करने वाले और प्रदेश के भीतर यात्रा करने वाले हर वाहन चालक के लिए बेहद उपयोगी साबित होगा। एप डाउनलोड करते ही उपयोगकर्ता को उसके गंतव्य तक पहुंचने के सभी संभावित मार्गों की जानकारी उपलब्ध हो जाएगी, जिससे यात्रा की बेहतर योजना बनाना संभव होगा। लोकपथ एप-2 की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह केवल रास्ता ही नहीं बताएगा, बल्कि दूरी, अनुमानित यात्रा समय, रास्ते में पड़ने वाले टोल नाकों की संख्या और प्रत्येक टोल पर देय राशि की पूरी जानकारी भी देगा।

इससे वाहन चालकों को समय और खर्च दोनों का पूर्वानुमान मिल सकेगा। एप में यात्रा के दौरान रास्ते में आने वाले दर्शनीय स्थल, धार्मिक स्थल, अस्पताल, पुलिस थाने और पेट्रोल पंप की जानकारी भी एक ही प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध रहेगी। इसके अलावा किसी भी आपात स्थिति में जरूरी हेल्पलाइन नंबर भी इसी एप के माध्यम से तुरंत प्राप्त किए जा सकेंगे, जिससे यात्रियों की सुरक्षा और भरोसा दोनों बढ़ेंगे। अधिकारियों का कहना है कि इस तरह की समग्र सुविधा देने वाला यह एप देश में पहली बार मप्र में लॉन्च किया जा रहा है। इससे पहले पीडब्ल्यूडी द्वारा लोकपथ एप लॉन्च किया गया था, जिसके माध्यम से आम नागरिकों की शिकायतों के आधार पर प्रदेशभर में सड़कों के गड्ढे भरने और मरम्मत कार्य में प्रभावी सुधार हुआ है। लोकपथ एप-2 के लॉन्च के साथ ही मप्र डिजिटल और स्मार्ट ट्रांसपोर्ट सुविधाओं की दिशा में एक और कदम आगे बढ़ाएगा। सरकार का मानना है कि यह एप न केवल यात्रियों की सुविधा बढ़ाएगा, बल्कि प्रदेश में पर्यटन और सड़क सुरक्षा को भी नया आयाम देगा।

प्रदेश में स्टार्टअप को बढ़ावा देने 11 एवं 12 जनवरी को होगा

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● राज्य शासन के सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विभाग द्वारा प्रदेश में स्टार्टअप को बढ़ावा देने हेतु 11 एवं 12 जनवरी 2026 को रविन्द्र भवन, भोपाल में मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के मुख्य आतिथ्य में मध्यप्रदेश स्टार्टअप समिट एवं इकोसिस्टम अवार्ड 2026 कार्यक्रम का आयोजन किया जाना प्रस्तावित है। 24 फरवरी 2025 के पश्चात उद्योग संवर्धन एवं आंतरिक व्यापार विभाग भारत सरकार से मान्यता प्राप्त स्टार्टअप को मध्यप्रदेश स्टार्टअप नीति 2025 के अंतर्गत EIR स्किम के तहत 10 हजार रूपये प्रतिमाह की दर से 12 माह तक सहायता प्रदान की जा रही है। साथ ही मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना अंतर्गत 5 प्रतिशत ब्याज अनुदान 05 वर्ष के लिए प्रदान किया जायेगा।

इंदौर क्रिश्चियन कॉलेज को सुप्रीम कोर्ट से झटका

500 करोड़ की जमीन सरकारी घोषित पर कलेक्टर ही लेंगे फैसला

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर के क्रिश्चियन कॉलेज की 500 करोड़ की जमीन को सरकारी घोषित करने मामले में प्रिंसिपल अमित डेविड को सुप्रीम कोर्ट से भी तगड़ा झटका लगा है। हाईकोर्ट में हुए फैसले के बाद कॉलेज प्रबंधन ने जमीन बचाने के लिए सुप्रीम कोर्ट में स्पेशल पिटीशन दायर की थी, जो खारिज हो गई।

कलेक्टर ने क्रिश्चियन कॉलेज की जमीन को सरकारी घोषित करने के लिए प्रबंधन को नोटिस दिया था। इसका केस कलेक्टर कोर्ट में चल रहा है। इसके साथ ही टीएंडसीपी को भी आदेश दिए थे कि इस जमीन को लेकर कोई भी नक्शा पास नहीं किया जाए। इस नोटिस के खिलाफ कॉलेज प्रबंधन ने हाईकोर्ट में अपील की थी। इसमें हाईकोर्ट ने नोटिस पर रोक लगाने से यह कहते हुए इनकार किया था कि अभी कलेक्टर कोर्ट में केस है। याचिकाकर्ता को वहां जवाब देने का अवसर है। इसके बाद कॉलेज सुप्रीम कोर्ट गया था। यहां भी सुप्रीम कोर्ट ने याचिका पर हस्तक्षेप से इनकार कर दिया। हालांकि यह कहा है कि हाईकोर्ट में आदेश दिए गए थे उसी परिप्रेक्ष्य में उचित प्राधिकारी द्वारा विधि के अनुसार निर्णय लिया जाएगा।

कॉलेज का याचिकाओं में यह है पक्ष-रिट अपील में क्रिश्चियन कॉलेज का पक्ष रहा है कि यह नोटिस तो बहाना है। प्रशासन पहले ही तय कर चुका है कि जमीन को सरकारी घोषित करना है। इस पर शासन पक्ष की ओर से जवाब दिया गया कि राजस्व संहिता की धारा 182(2) के तहत नोटिस जारी हुआ है। इसमें संबंधित याचिकाकर्ता पक्ष रख सकते हैं।

क्या है कॉलेज का खेल-कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अमित डेविड इंदौर के कस्बा सर्वे नंबर 407/1669/3 कुल 68.303 हेक्टेयर में से 1.702 हेक्टेयर पर बने क्रिश्चियन कॉलेज भूमि पर लंबे समय से नक्शा पास कराने में जुटे हुए हैं। यह नक्शा यहां पर व्यावसायिक ऑफिस, दुकान बनाने का है।

कलेक्टर शिवम वर्मा ने यह दिया था आदेश-क्रिश्चियन कॉलेज की यह फाइल लंबे समय से कलेक्ट्रेट के गलियारों में एसडीएम, तहसीलदार से लेकर अलग-अलग अधिकारियों के पास दौड़ रही है। उधर प्रिंसिपल डेविड ने इसके नक्शे के लिए टीएंडसीपी में फाइल लगा दी।

आखिरकार इसमें कलेक्टर शिवम वर्मा ने एसडीएम जूनी और तहसीलदार की टीम बनाकर जमीन की जांच कराई और रिपोर्ट ली। इस जांच के बाद अब कलेक्टर ने टीएंडसीपी को पत्र लिख दिया और इसमें इस जमीन पर किसी भी तरह की मंजूरी देने पर रोक लगा दी। साथ ही कॉलेज प्रबंधन को नोटिस देकर जवाब मांगा है। यह केस कलेक्टर कोर्ट में चल रहा है।

अब जमीन भी वापस लेंगे-कलेक्टर ने पत्र में ही लिखा है कि महाराज के उत्तराधिकार के तौर पर अब मप्र शासन है। ऐसे में जमीन शासन की होकर शासकीय है। इसलिए प्रोफेशनल ऑफिसेस, उपयोग के लिए नक्शा पास नहीं किया जा सकता है।

कलेक्टर के टीएंडसीपी पत्र में यह लिखा है

कलेक्टर ने जांच रिपोर्ट के आधार पर पाया कि दस्तावेज दानपत्र, हिस्ट्री ऑफ यूएनसीआई आदि में है कि यह भूमि महाराजा होलकर द्वारा 1 दिसंबर 1887 को कुछ शर्तों के साथ बिना रेंट अनुदान के दी गई। शर्तों के तहत भूमि उपयोग केवल विद्यालय व महिला अस्पताल के लिए किए जाने का प्रावधान था। जब तक यह उपयोग होगा मिशन द्वारा उपयोग किया जाता रहेगा और समाप्त होने पर भूमि वापस महारानी या उसके उत्तराधिकारी द्वारा ली जा सकेगी। कलेक्टर की जांच में आया कि यहां महिला अस्पताल नहीं है और कॉलेज भी समाप्ति की ओर है, ऐसे में संस्था का मूल उद्देश्य खत्म हो चुका है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक : **अक्षय तिवारी** द्वारा मेसर्स डी.बी. कार्प लिमि. 44-45/ए, 50-51/ए, सेक्टर एफ इंडस्ट्रीयल एरिया, सांवेर रोड़, इंदौर (मप्र)- 452008 से मुद्रित एवं 5/6, नार्थ राजमोहल्ला (गुरूद्वारे के सामने), इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। **आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650**
सभी विवादों के लिए न्याय क्षेत्र केवल इंदौर रहेगा। समाचार पत्र में व्यक्तिगत नाम से प्रकाशित खबर एवं आलेख के लिए वे स्वयं जिम्मेदार होंगे।